31 जुलाई 2025
गुरुवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण



खेत की पटवन कर रहे किसान पर गिरी आकाशीय बिजली, मौत

2

इसरो-नासा का सबसे महंगा और ताकतवर सैटेलाइट 'निसार' लॉन्च, 97 मिनट में धरती का चक्कर पूरा करेगा

एजेंसी/नई दिल्ली

इसरो ने अपने सबसे पावरफुल सैटेलाइट निसार को लॉन्च कर दिया है. इसे धरती का स्कैनर बताया गया है. इसरो ने इसे अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के साथ मिलकर तैयार किया है. 12,000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से लॉन्च हुए इस मिशन के जरिए धरती के बारे में वो जानकारियां मिल पाएंगी जो बहुत जरूरी हैं. निसार का पूरा नाम है नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार है. यह सैटेलाइट 12 दिनों तक धरती को स्कैन करके कई दिलचस्प जानकारियां जुटाएगा. दावा किया जा रहा है कि यह धरती के एक इंच तक के बदलाव को भी रिकॉर्ड कर सकेगा. निसार को यूं ही नहीं इसरो का सबसे महंगा और पावरफुल सैटेलाइट कहा जा रहा है. इसके पीछे कई वजह हैं, जो इसे खास बनाती हैं. जानिए, निसार सैटेलाइट की वो खूबियां जिसने इसे पावरफुल बनाया. इस मिशन का मकसद है कि धरती और उसके पर्यावरण को गहराई से समझना है. इसके लिए निसार सैटेलाइट को लॉन्च किया गया है. तकनीकी रूप से निसार एक हाइटेक सैटेलाइट है. इसे पृथ्वी का एक चक्कर पूरा करने में 97 मिनट का समय लगेगा. यह धरती के घने जंगल, यहां हो रहे बदलाव और रात में भी यहां हो रही हरकत पर नजर



रख सकता है. यह 12 दिनों में 1,173 चक्कर लगाकर पूरी धरती को स्कैन करके कई तरह की जानकारियां जुटाएगा।

निसार सैटेलाइट की 5 मुख्य बातें

पहला खास तरह का सैटेलाइट : यह दो सिंथेटिक अपर्चर रडार (SARS) से लैस पहला उपग्रह भी है, जो अलग-अलग फ्रीक्वेंसी बैंड में काम करता है. यह इसे अब तक का सबसे शक्तिशाली अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट बनाता है, जो डेटा और हाई-रिजॉल्यूशन वाली तस्वीरें जनरेट करता है. यह कई रिसर्च में मददगार साबित होंगी।

गोल्ड प्लेटेड रडार एंटीना: निसार में लगा 12 मीटर डायमीटर वाला गोल्ड प्लेटेड रडार एंटीना धरती पर माइक्रोवेव सिगनल्स को भेजेगा. ये वापस लौटकर जानकारी देंगे. इस तरह यह एंटीना कई दिलचस्प जानकारियां देने का काम करेगा.

सोलर ऐरे: सैटेलाइट में लगा सोलर ऐरे बिजली पैदा करने का काम करेगा, जिसका इस्तेमाल इसमें लगा रडार कर सकेगा।

L-Band SAR : यह हाई वेवलेंथ और माइक्रोवेव्स का इस्तेमाल करके पेड़ों, बर्फ और रेत को भेदकर नीचे की जमीन का मानचित्र सकती है।

45-Band SAR : यह कम वेवलेंथ का इस्तेमाल करता है, इसलिए यह जमीन में बहुत गहराई तक प्रवेश नहीं कर सकता, लेकिन 45-बैंड SAR फसल के खेतों और वाटर सिस्टम की खूबियों को कैप्चर कर सकता है।

क्या है निसार सैटेलाइट, कैसे होगा फायदा?

इस मिशन का मकसद है कि धरती और उसके पर्यावरण को गहराई से समझना है. इसके लिए निसार सैटेलाइट को लॉन्च किया गया है. तकनीकी रूप से निसार एक हाइटेक सैटेलाइट है. इसे पृथ्वी का एक चक्कर पूरा करने में 97 मिनट का समय लगेगा. यह धरती के घने जंगल, यहां हो रहे बदलाव और रात में भी यहां हो रही हरकत पर नजर रख सकता है. यह 12 दिनों में 1,173 चक्कर लगाकर पूरी धरती को स्कैन करके कई तरह की जानकारियां जुटाएगा. यह सैटेलाइट कई तरह की जानकारियां देगा. जैसे- धरती पर ग्लेशियर कितना पिघल रहे हैं, उनमें कितना बदलाव हो रहा है. जंगल से लेकर खेतों तक के हालातों को मॉनिटर करेगा. इसके जरिए यह पर्यावरण के हालातों से रूबरू कराएगा. समुद्र के हालातों के बारे में भी दिलचस्प जानकारियां देगा. इसके जरिए मिलने वाली जानकारियों से वैज्ञानिक पर्यावरण, क्लाइमेट चेंज और प्राकृतिक आपदाओं के बारे में डाटा और नई जानकारी जुटा पाएंगे. इनका एनालिसिस करके वो कई मामलों में भविष्यवाणी कर सकेंगे।

ट्रेड डील की तैयारियों के बीच डोनाल्ड ट्रंप का एकतरफा ऐलान

भारत पर 25% टैरिफ लगाएगा अमेरिका

- ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि भारत-रूस से हथियार और ऑयल खरीद रहा है, इसलिए उस पर जुर्माना भी लगाएंगे

एजेंसी/नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को भारत पर 1 अगस्त से 25% टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि भारत, रूस से हथियार और ऑयल खरीद रहा है, इसलिए उस पर जुर्माना भी लगाएंगे। ट्रम्प ने एक और पोस्ट में कहा कि अमेरिका के साथ भारत का व्यापार घाटा बहुत ज्यादा है, इसलिए वे भारतीय सामानों पर टैरिफ लगा रहे हैं। भारत, अमेरिका का दोस्त है, लेकिन पिछले कुछ सालों में अमेरिका ने उसके साथ कम व्यापार किया है क्योंकि उसके टैरिफ बहुत ज्यादा हैं। दरअसल, भारत की कई नीतियां ऐसी हैं जो अमेरिकी कंपनियों को व्यापार करने में मुश्किलें पैदा करती हैं। भारत आज भी अपने ज्यादातर हथियार रूस से खरीदता है। इतना ही नहीं, चीन के साथ मिलकर भारत, रूस से बड़ी मात्रा में तेल और गैस भी खरीदता है, जबकि पूरी दुनिया चाहती है कि रूस यूक्रेन में हिंसा रोके। इन सब वजहों से अब अमेरिका ने फैसला किया है कि भारत से आने वाले



सामानों पर 1 अगस्त से 25% टैरिफ लगाएगा। इसके अलावा पेनल्टी भी लगाई जाएगी। दोनों देशों के बीच सबकुछ सही नहीं है। डोनाल्ड ट्रम्प ने 17 जुलाई को कहा था कि जल्द ही अमेरिकी उत्पादों को भारत के बाजारों में पहुंच मिलने वाली है। इंडोनेशिया फॉर्मूले के तरह अमेरिकी उत्पादों पर भारत में भी जीरो टैरिफ लगेगा। ट्रम्प ने कहा था- हमने कई देशों के साथ समझौते किए हैं। हमारा एक और समझौता होने वाला है, शायद भारत के साथ। हम बातचीत कर रहे हैं। जब मैं लेटर भेजूंगा तो वो समझौता हो जाएगा। बाइलेटरल ट्रेड एग्रीमेंट (BTA) को लेकर छठे राउंड की चर्चा के लिए अमेरिकी अधिकारी 25 अगस्त को भारत आएंगे। दोनों देश सितंबर-अक्टूबर तक ट्रेड एग्रीमेंट्स का पहला चरण पूरा करने की दिशा में काम कर रहे हैं। इसके साथ ही एक अंतरिम ट्रेड एग्रीमेंट की संभावना भी तलाशी जा रही है। ट्रेड डील को लेकर बातचीत का पिछला राउंड वाशिंगटन में हुआ था। वहां भारत के चीफ नेगोशिएटर राजेश अग्रवाल और वर ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव ब्रेंडन लिंच ने चर्चा की थी। ट्रम्प ने 15 जुलाई को इंडोनेशिया पर 19% टैरिफ लगाया था। 1 अगस्त से इंडोनेशिया से अमेरिका जाने वाले सामानों पर 19% टैरिफ लगेगा। वहीं, अमेरिकी सामानों पर इंडोनेशिया में कोई टैरिफ नहीं लगेगा।

ट्रंप का भारत पर तीखा हमला

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक जोरदार पोस्ट में भारत को 'दोस्त' तो बताया, लेकिन साथ ही भारतीय व्यापार नीतियों को 'बहुत ज्यादा टैक्स लगाने वाला' और 'दुनिया में सबसे ज्यादा परेशान करने वाला' बताया. उन्होंने कहा कि भारत के टैक्स दुनिया में सबसे ऊंचे हैं और यह देश गैर-आर्थिक व्यापार बाधाओं को भी बहुत कठिन बना देता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के लिए भारत और चीन को जिम्मेदार ठहराया

उन्होंने भारत और चीन पर रूस के युद्ध के लिए भुगतान करने का भी आरोप लगाया - यह सैन्य संघर्ष तीन साल पुराना है, जिसके बारे में ट्रंप ने दावा किया था कि वह 20 जनवरी को शपथ लेने के 24 घंटे के भीतर इसे समाप्त कर सकते हैं।

भारत की तेल खरीद पर सफाई

भारत द्वारा रूस से तेल खरीद को लेकर ट्रंप की आलोचना के जवाब में भारत सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि यह फैसला देश की ऊर्जा जरूरतों और बजट सीमाओं को देखते हुए किया गया है. विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कई बार कहा है कि भारत का तेल आयात राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि बाजार की मांग पर आधारित है।

एक अगस्त से प्रभावी होगा टैरिफ

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के लिए टैरिफ की तिथि भी एक अगस्त तय कर रखी है, जब बाकी देशों पर भी उनका टैरिफ प्रभावी होगा। हालांकि ट्रंप ने अपनी टैरिफ का ऐलान उन्होंने पहले ही मई महीने में कर दिया था, लेकिन बाद में इसे एक्सटेंड कर दिया था। उस समय उन्होंने भारत पर 26 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया था, जिसे बाकी देशों को एक्सटेंशन देने के साथ ही 90 प्रतिशत तक एक्सटेंड कर दिया गया था। आखिरी बार डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ की डेडलाइन एक अगस्त तय की थी और इसको लेकर उन्होंने अलग से पोस्ट भी किया और कहा, पहला अगस्त, अमेरिका के लिए एक महान दिन होगा।

रूस में दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप

8.8 तीव्रता, 5 मीटर ऊंची सुनामी उठीं

एजेंसी/नई दिल्ली

रूस के पूर्वी प्रायद्वीप काम चटका में दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप आया है। वर जियोलॉजिकल सर्वे (USGS) के मुताबिक भूकंप की तीव्रता 8.8 थी। यह भारतीय समयानुसार बुधवार सुबह 4:54 बजे आया। रॉयटर्स के मुताबिक कामचटका में 5 मीटर तक ऊंची सुनामी आई है। इसकी वजह से कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। USGS ने बताया कि भूकंप का केंद्र जमीन से 19.3 किलोमीटर की गहराई में था। कामचटका के गवर्नर व्लादिमीर सोलोदोव ने वीडियो पोस्ट कर कहा कि आज का भूकंप दशकों में सबसे शक्तिशाली था। उन्होंने कहा कि एक किंडरगार्टन स्कूल को नुकसान पहुंचा है। जापान के NHK टेलीविजन के मुताबिक, देश के पूर्वी तट के पास एक फुट ऊंची पहली सुनामी लहरें पहुंची हैं। जापान ने राजधानी टोक्यो में 20



लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए कहा है। इसके अलावा अपने फुकुशिमा परमाणु रिएक्टर को खाली को करा लिया है। अमेरिका के अलास्का और हवाई द्वीप तक सुनामी की लहरें पहुंच गई हैं।

पाक से वेटरन लीग सेमीफाइनल नहीं खेलेगा भारत

एजेंसी/नई दिल्ली

रिटायर्ड क्रिकेटर्स की वर्ल्ड चैंपियनशिप (WCL) में भारत ने पाकिस्तान से होने वाले सेमीफाइनल मैच में खेलने से मना कर दिया है। यह मुकाबला 31 जुलाई को बर्मिंघम में खेला जाना है।मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इंडियन प्लेयर्स ने दूसरी बार पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना किया है। इससे पहले 20 जुलाई को भारतीय प्लेयर्स ने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया था। इसके बाद इस मैच को रद्द कर दिया गया था। इससे पहले बुधवार को ही लीग की स्पॉन्सर कंपनी ने सेमीफाइनल से हटने का ऐलान किया था। स्पॉन्सर कंपनी के ईजमाई ट्रिप के को-फाउंडर ने पोस्ट में लिखा था- 'आतंकवाद और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकते।'जमाई ट्रिप के को-फाउंडर ने पर लिखा- 'हम वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में टीम इंडिया के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हैं। आपने पूरे देश का गौरवान्वित किया। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ आगामी सेमीफाइनल कोई साधारण मैच नहीं है, आतंकवाद और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकते। ईजमाई ट्रिप भारत के साथ खड़ा है। हम ऐसे किसी भी आयोजन का समर्थन नहीं कर सकते जो आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश के साथ संबंधों को सामान्य बनाने का प्रयास करता हो। उन्होंने आगे कहा, कुछ चीजें खेल से भी बड़ी होती हैं। देश पहले, व्यापार बाद में। एक दिन पहले अक्टक्ट चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार 29 जुलाई को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर की विशेष चर्चा के दौरान एशिया कप में भारत के पाकिस्तान से मैच खेलने पर सवाल उठाया था।

डाक सेवा की एक ऐतिहासिक परंपरा का समापन

डाक विभाग ने रजिस्टर्ड पोस्ट बंद करने का लिया फैसला

एजेंसी/नई दिल्ली

भारतीय डाक विभाग ने अपनी 50 साल से भी पुरानी प्रतिष्ठित सेवा को बंद करने की घोषणा की है. 1 सितंबर से भारतीय डाक विभाग रजिस्टर्ड पोस्ट को पूरी तरह बंद कर देगा और इसे स्पीड पोस्ट सेवा में मिला देगा. समय की मांग को देखते हुए डाक विभाग द्वारा लिया गया यह निर्णय बहुत जरूरी था. हालांकि रजिस्टर्ड माध्यम से डाक भेजने वाले लाखों नागरिकों के लिए यह सिर्फ एक सेवा का अंत नहीं बल्कि एक युग का अंत है. क्योंकि इस सेवा से पुराने लोगों की खट्टी-मीठी यादें जुड़ी हैं. यह सेवा लाखों लोगों के जीवन का एक अभिन्न हिस्सा थी. रजिस्टर्ड पोस्ट के जरिए डाकिया नौकरी का प्रस्ताव, कानूनी नोटिस, सरकारी सूचनाएं या कोई बधाई पत्र लेकर उनके घर तक पहुंचाता था. जो लोगों की लिए कभी खुशी तो कभी गम लेकर आता था. ये परिवर्तन आज की पीढ़ी को मामूली लग सकता है, जो प्राइवेट कूरियर एप्स और वर्तमान में चल रही ट्रिकिंग सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं।

अलकायदा टेरर मोड्यूल केस में गुजरात एटीएस को बड़ी कामयाबी, अब तक 5 आतंकी गिरफ्तार

- बेंगलुरु से समा परवीन को भी पकड़ा

एजेंसी/नई दिल्ली

अलकायदा टेरर मोड्यूल केस में गुजरात एटीएस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. गुजरात की एंटी टेरेरिस्ट सेल ने झरखंड मूल की एक महिला को बेंगलुरू से अरेस्ट किया है. इस महिला पर संदिग्ध आर्तकियों को सोशल मीडिया पर फॉलो करने और रेडिकलाइज्ड पोस्ट डालने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. इसके पास मिले इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से उसके



पाकिस्तान से संपर्क में होने की जानकारी मिली है. आरोपी की पहचान 30 वर्षीय समा परवीन के रूप में हुई है. इससे पहले इस मामले में 4 आर्तकियों को गिरफ्तार किया गया था. जिसमें से दो गुजरात, एक नोएडा और एक अन्य को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया था.इस गिरफ्तारी पर गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने कहा, गुजरात एटीएस ने पहले 4 AQIS (भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा) आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था।

कल एक और महिला को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया. यह महिला बहुत कट्टरपंथी है और इंटरनेट के जरिए एक आतंकी नेटवर्क चला रही थी. उसके पास से मिले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से पाकिस्तान से जुड़े कई अहम सबूत मिले हैं।

तेजस्वी यादव का नीतीश सरकार पर बड़ा आरोप- बोले

नीतीश सरकार ने 80 हजार करोड़ का हिसाब नहीं दिया

- यह अब तक सबसे बड़ा घोटाला

एजेंसी/पटना

बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बुधवार को एक प्रेस वार्ता कर उअऋ (नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक) की रिपोर्ट के आधार पर नीतीश सरकार पर बड़ा हमला बोला. तेजस्वी ने कहा कि रिपोर्ट में यह साफ हुआ है कि राज्य सरकार ने 80 हजार करोड़ रुपये के कर्ज का कोई हिसाब नहीं दिया है, जो अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय घोटाला है. उन्होंने कहा, 'हम पहले से कहते आ रहे



हैं कि डबल इंजन की सरकार का एक इंजन अपराध में और दूसरा भ्रष्टाचार में लगा हुआ है. बिहार में आज जो अपराध और भ्रष्टाचार की स्थिति है, वह चिंताजनक है. हम इन सभी सवालों को लेकर जनता के बीच जाएंगे.'तेजस्वी यादव ने यह भी बताया कि रक्षाबंधन के बाद महागठबंधन के सभी नेता प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में जनसंपर्क यात्रा करेंगे. इस दौरान वे CAG रिपोर्ट, मतदाता अधिकारों के हनन, भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को लेकर जनता को जागरूक करेंगे. तेजस्वी यादव और महागठबंधन नेताओं का यह ऐलान साफ संकेत देता है कि आने वाले दिनों में बिहार की राजनीति और अधिक गरमाने वाली है।

बिहार कांग्रेस का भी ऐलान

बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने भी प्रेस से बात करते हुए कहा कि, 'अगस्त का महीना हम जनता की लड़ाई के लिए समर्पित करेंगे. सभी नौ प्रमंडलों में महागठबंधन के कार्यक्रम होंगे और जनता के बीच जाकर सरकार की नाकामियों को उजागर किया जाएगा.' उन्होंने यह भी बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अगस्त में बिहार दौरे पर आ सकते हैं और जनसभा को संबोधित करेंगे।



खेत की पटवन कर रहे किसान पर गिरी आकाशीय बिजली, मौत

♦ किसान की मौत से घर में मचा कोहराम, पंचायत प्रतिनिधियों ने की मुआवजे की मांग

केटी न्यूज/चौसा

धान की रोपनी के लिए खेत की पटवन कर रहे एक किसान पर अचानक आकाशीय बिजली गिर गई, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हालांकि, बाधार में कृषि कार्य कर रहे किसानों तथा पशुपालकों की नजर जब उक्त किसान पर पड़ी तो उसे उठाकर आनन-फानन में एक निजी अस्पताल में ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।



घटना बुधवार की दोपहर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रामपुर गांव की है। मृतक की पहचान स्थानीय गांव निवासी जगदीश यादव के 45 वर्षीय पुत्र दिनेश यादव के रूप में हुई है। इसकी जानकारी मिलते ही पीड़ित परिवार में कोहराम मच गया। घरवाले दौड़े भागे मौके पर पहुंचे, लेकिन तबतक उसकी मौत हो चुकी थी।

घटना की जाकनारी मिलते ही मुफस्सिल थाने की पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजी।

मिली जानकारी के अनुसार दिनेश बुधवार की दोपहर धान की रोपनी के लिए खेत की पटवन कर रहा था। इसी दौरान अचानक मौसम बदला तथा आकाश बादलों से घर गया और देखते ही देखते बूंदाबांदी शुरू हो गई। इसी दौरान तेज कड़कड़ाहट के साथ आकाशीय बिजली दिनेश पर जा गिरी। बिजली गिरने की आवाज सुन खेत में काम कर रहे किसान दौड़े भागे उसके पास पहुंचे तथा उसे उठाकर अस्पताल ले गए, लेकिन तबतक देर हो चुकी थी।

किसान की मौत से बाधार में भगदड़ मच गई। खेत में काम कर रहे किसान तथा पशुओं को चरा रहे पशु पालक तुरंत भाग खड़े हुए। गौरतलब हो कि इस वर्ष चौसा इलाके में आकाशीय बिजली गिरने की कई घटनाएं हो चुकी है। जिससे किसानों व पशुपालकों में भय बना हुआ है।

वहीं, स्थानीय पंचायत के बीडीसी विनोद राय, जिप सदस्य पूजा देवी, पंचायत के उप मुखिया कमलेश गुप्ता समेत अन्य पंचायत प्रतिनिधियों व सामाजिक कार्यकताओं ने इस घटना पर गहरा दुख जताया तथा मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग प्रशासन से की है।

ग्रामीणों का कहना है कि मृतक अपने पीछे पत्नी, दो पुत्री तथा एक पुत्र छोड़ गया है। जिसकी परवरिश की चिंता अब परिवार को सताने लगी है। घटना के बाद से ही उसकी पत्नी तथा बच्चों के अलावे अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। पत्नी रह-रहकर बेहोश हो जा रही थी। उसे अभी से ही भविष्य की चिंता सताने लगी है। वहीं, पिता की मौत के बाद बच्चें भी बेसुध हो जा रहे थे। यही हाल अन्य परिजनों का था।

एक नजर

मां के नाम एक पेड़, अभियान में बच्चों ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा



डुमरांव। डुमरांव प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय नवाडेरा में बुधवार को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनूठी पहल देखने को मिली। विद्यालय के छात्रों ने एक पेड़ मां के नामह्व कार्यक्रम के तहत अपने-अपने घरों व बगीचों में पौधे रोपे और उन्हें जीवनभर सुरक्षित रखने का संकल्प लिया।इस अभियान में यूको क्लब के सदस्यों ने बच्चों को पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को रेखांकित किया। बच्चों को बताया गया कि वृक्ष न केवल पर्यावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि जीवन का आधार भी हैं। पेड़ लगाना और उनकी देखभाल करना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है।कार्यक्रम के दौरान वृक्ष और पर्यावरण का संबंध विषय पर चर्चा की गई, जिसमें छात्रों को यह समझाया गया कि एक पेड़ हमारी मां के समान होता है, जो बिना कुछ मांगे हमें छाया, फल, फूल और प्राणवायु (ऑक्सीजन) प्रदान करता है। इसी भावना से बच्चों को अपनी मां के नाम पर एक-एक पौधा लगाने को प्रेरित किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक संजय कुमार, शिक्षिका अनीता यादव, जयप्रकाश यादव, सरोज राज, रामकुमार सिंह, खुशबू कुमारी, रूबी कुमारी और विजय कुमारी सहित अन्य शिक्षकों ने बच्चों का मार्गदर्शन किया और इस पुनीत कार्य में उनकी भूमिका को सराहा। शिक्षिका अनीता यादव ने बताया कि विद्यालय का लक्ष्य है कि 100 प्रतिशत बच्चे पेड़ लगाएं और उसे जीवित रखें। उन्होंने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि जब बच्चे इस काम को अपनी मां के नाम से जोड़ेंगे, तो वे इसे भावनात्मक रूप से अपनाएंगे और पौधों की देखभाल भी पूरे मन से करेंगे। इस मौके पर ज्योति कुमारी, अनु कुमारी, सोनी कुमारी, मोना कुमारी, कीर्ति कुमारी, खेसारी समेत कई अन्य छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

मजिस्ट्रेट की निगरानी में जब्त 54 लीटर महुआ शराब किया गया विनष्ट

नावानगर । वासुदेवा थाना परिसर में बुधवार को चार अलग-अलग मामलों में जब्त 54 लीटर महुआ शराब को विधिवत तरीके से नष्ट कर दिया गया। यह कार्रवाई कार्यपालक दंडाधिकारी रानी कुमारी की निगरानी में की गई। उन्होंने बताया कि सरकार की शराबबंदी नीति को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अवैध शराब के खिलाफ सख्ती जारी है। थानाध्यक्ष मधुबाला भारती ने जानकारी दी कि जब्त शराब को न्यायालय के आदेश और प्रशासनिक स्वीकृति के बाद थाना परिसर में गड्ढा खोदकर नष्ट किया गया, ताकि उसका दोबारा उपयोग न हो सके। उन्होंने बताया कि उक्त शराब थाना क्षेत्र में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान बरामद की गई थी।थानाध्यक्ष ने बताया कि अवैध शराब के विरुद्ध लगातार गश्त और छापेमारी जारी है। साथ ही, आमजन से अपील की कि वे ऐसे कारोबार की जानकारी पुलिस को दें ताकि उचित कार्रवाई हो सके। कार्रवाई के दौरान पुलिसकर्मी व अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

15 अगस्त तक आधा दर्जन पंचायत सरकार भवन का पूरा कराए निर्माण कार्य : डीएम

♦ प्रशासनिक दक्षता और योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर जिलाधिकारी की सघन समीक्षा बैठक

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में जिलाधिकारी डॉ. विद्यानन्द सिंह की अध्यक्षता में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं वरीय प्रखंड स्तरीय अधिकारियों के साथ व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं प्रशासनिक कार्यों के क्रियान्वयन की समीक्षा और गति को सुदृढ़ करना था।



कार्यालय निरीक्षण एवं वित्तीय पारदर्शिता पर जोर : बैठक में सभी बीडीओ और सीओ को अपने-अपने प्रखंड कार्यालय एवं संबंधित पंचायत या हल्का का नियमित निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया। साथ ही कार्यालय में रखे जाने वाले रोकड़ पंजी को अद्यतन कर सत्यापित कराने की बात कही गई।

राजस्वकर्मियों, अमीनों और लिपिकों के विरुद्ध लंबित विभागीय कार्रवाई को लेकर जिलाधिकारी ने असंतोष जताया और सभी संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर प्रतिवेदन समर्पित करने का आदेश दिया। वहीं लंबित सेवांत लाभ भुगतान को शीघ्र निष्पादित करने का निर्देश भी दिया गया।

विधिक वादों और सामाजिक योजनाओं की प्रगति

प्रखंडों में लंबित सीडब्लूजेसी/एमजेसी वादों से संबंधित तथ्य विवरण एक सप्ताह में विधि शाखा को भेजने का निर्देश दिया गया। वहीं डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान एवं महिला संवाद से जुड़े मामलों का 15 दिनों के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया।

आंगनबाड़ी केन्द्र निर्माण में भूमि बाधा

मनरेगा एवं आईसीडीएस विभाग को निर्देशित किया गया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए चिन्हित भूमि की समीक्षा करें और उपलब्ध भूमि पर त्वरित निर्माण की कार्रवाई करें। जिले को कुल 96 भवन निर्माण का लक्ष्य मिला है, जिसमें से 63 स्थलों पर भूमि विवाद या सीमांकन की समस्याएं हैं। इन सभी विवादों का निराकरण कर कार्य प्रारंभ कराने हेतु अंचलाधिकारियों को विशेष निर्देश दिए गए।

स्वच्छता मिशन की प्रगति पर विशेष समीक्षा

लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के अंतर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन योजनाओं की समीक्षा में पाया गया कि डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण 97: तक पूर्ण हो चुका है। शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने, स्वच्छता शुल्क संग्रहण की निगरानी और सामुदायिक स्वच्छता परिसरों को क्रियाशील करने पर बल दिया गया। अनुसूचित जाति बस्ती में शौचालय निर्माण की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए इसमें तेजी लाने का निर्देश दिया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना और भूमिहीन लाभुक

भूमिहीन लाभार्थियों को भूमि आवंटन के लिए बीडीओ एवं सीओ को समन्वय बैठक कर समाधान निकालने तथा भूमि सुधार उपसमाहताओं को अनुश्रवण की जिम्मेवारी दी गई। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत लाभार्थियों के स्तर के किये गये सेल्फ सर्वेक्षण कर अपने कर्मचारियों के माध्यम से 31 अगस्त तक सत्यापन कराना सुनिश्चित करेंगे। जबकि प्रधानमंत्री आवास के लाभुकों की मनरेगा पीओ से समन्वय कर मजदूरी भुगतान कराते हुए आवास को पूर्ण कराना सुनिश्चित करेंगे।

डुमरांव में भाजपा कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावडे का किया भव्य स्वागत



केटी न्यूज/डुमरांव

बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं बिहार प्रदेश प्रभारी विनोद तावडे बक्सर जिले की संगठनात्मक बैठक में भाग लेने के लिए पटना से बक्सर जा रहे थे। इस दौरान डुमरांव स्थित महाराज कोठी के समीप पार्टी कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

स्थानीय भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने गर्मजोशी के साथ फूल-मालाओं एवं नारों के जरिए तावडे जी का अभिनंदन किया। स्वागत के पश्चात कार्यकर्ताओं ने उन्हें एक लिखित पत्र सौंपते हुए बक्सर जिले में वरिष्ठ एवं अनुभवी कार्यकताओं की उपेक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि लंबे समय से कई समर्पित कार्यकर्ता संगठन में उचित स्थान की प्रतीक्षा कर रहे हैं।इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए विनोद तावडे ने कार्यकताओं को आश्वस्त किया कि उनकी शिकायतों पर जल्द सकारात्मक कार्रवाई की जाएगी और संगठन में सभी को यथोचित सम्मान देने का प्रयास होगा। उनके इस आश्वासन से कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। स्वागत करने वालों में भाजपा नेता संतोष दुबे, मनोज सिंह, दयाशंकर तिवारी, विजय शंकर उर्फ भोला तिवारी, सतीश राय, बजरंगी तिवारी, रोहित सिंह, विपिन बिहारी सिंह, चुनमुन प्रसाद वर्मा, लालाजी, मनोज कुमार सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल रहे।

केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचाए भाजपा कार्यकर्ता : विनोद तावड़े

♦ भाजपा की क्षेत्रीय संगठनात्मक बैठक सम्पन्न, विधानसभा चुनाव की तैयारी पर हुआ मंथन

केटी न्यूज/बक्सर



भारतीय जनता पार्टी, जिला बक्सर द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव एवं संगठनात्मक मजबूती को लेकर बुधवार को बक्सर के वैष्णवी क्लार्क होटल में एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश भवन ने की, जबकि संचालन का कार्य प्रदेश महामंत्री शंभू सिद्धार्थ ने किया।

इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं बिहार भाजपा प्रभारी विनोद तावड़े उपस्थित रहे। उनके साथ प्रदेश महामंत्री राजेश वर्मा, शाहाबाद क्षेत्र के सह प्रभारी अशोक भट्ट, बक्सर जिला प्रभारी अरुण कुशवाहा सहित कई वरिष्ठ नेता मंचासीन थे।

कार्यक्रम की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैल्य चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात तावड़े ने बैठक को संबोधित करते हुए संगठनात्मक कार्यों के विस्तार और सशक्तिकरण पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी के लिए बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा चलाए जा रहे जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाया जाए। इसके साथ ही मतदाता पुनरीक्षण अभियान को प्रभावी तरीके से संचालित करने, विदेशी घुसपैठियों की पहचान एवं संगठन के सभी स्तरों पर पारदर्शिता लाने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में शाहाबाद प्रमंडल के तीनों जिलों भोजपुर, बक्सर और कैमूर से आए विधानसभा संयोजक, प्रभारी एवं विस्तारकों ने भाग लिया।

इस अवसर पर भोजपुर जिलाध्यक्ष दुर्गा राज, कैमूर जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश पांडेय, बक्सर जिला प्रभारी अरुण कुशवाहा, आरा प्रभारी राजेश सिन्हा, कैमूर प्रभारी अशोक साहू, महामंत्री अनिल पांडेय, रमेश गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष निर्भय राय, इंदु देवी, रेखा देवी, संध्या पांडेय, ओम ज्योति भगत, सुधा गुप्ता तथा भाजपा जिला मीडिया प्रभारी उमाशंकर राय सहित सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



उर्वरकों की किल्लत से निपटने के लिए बक्सर में स्थापित हुआ नियंत्रण कक्ष, टोल फ्री नंबर जारी

केटी न्यूज/बक्सर

खरीफ सीजन 2025 के दौरान किसानों को उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता और उसकी उचित मूल्य पर बिक्री सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बक्सर जिला प्रशासन द्वारा एक ठोस कदम उठाया गया है। कृषि विभाग, बिहार, पटना के प्रधान सचिव के निर्देश के आलोक में बक्सर जिले के संयुक्त कृषि भवन में एक नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। यह नियंत्रण कक्ष सहायक निदेशक (शष्य) प्रक्षेत्र, बक्सर सह अनुमण्डल कृषि पदाधिकारी, डुमरांव, शालीग्राम सिंह के नियंत्रण में कार्य करेगा। यह नियंत्रण कक्ष जिले में उर्वरकों की जमाखोरी, कालाबाजारी और मुनाफाखोरी जैसे गंभीर मुद्दों पर निगरानी रखेगा। साथ ही, किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या या शिकायत होने पर त्वरित समाधान उपलब्ध कराया जाएगा। शिकायत दर्ज करने के लिए दो टोल फ्री नंबर 8210704121 और मोबाइल नंबर 9473081675 जारी किए गए हैं।

डुमरांव में मां काली की वार्षिक पूजा आज, तैयारी पूरी

अनुमंडल प्रशासन ने किए सुरक्षा व सुविधा के पुख्ता इंतजाम, श्रद्धालुओं में उत्साह

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में मां काली की वार्षिक पूजा गुरुवार को मनाया जाएगा। इसको लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। वर्षों पुरानी परंपरा के तहत इस वर्ष भी मां काली की पूजा विधिवत रूप से की जाएगी। पूजा के साथ यहां मेले का आयोजन भी होगा, जिसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। अनुमंडल प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मजिस्ट्रेट के साथ जगह-जगह महिला व पुरुष बल के जवानों की तैनाती रहेगी। साथ ही तीसरी आंख से भी मेले की निगरानी की जाएगी। अहले सुबह से ही पूजा की पारंपरिक प्रक्रिया शुरू होगी। पूजा अर्चना के बाद भक्त मेले का आनंद लेंगे। मेला परिसर में वाहनों के रोक को लेकर शक्तिद्वार, मठिया मोड़, उत्सव मैरेज हॉल, टेढ़ी बाजार और शहीद मर्द के समीप



बैरिकेडिंग की गई है। इसके अलावा पेयजल की व्यवस्था के लिए नगर परिषद ने जगह-जगह पानी के टैंकर की सुविधा उपलब्ध कराई है। श्रद्धालुओं की मदद और नियंत्रण व्यवस्था के लिए एक विशेष कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है, जहां पुलिस और दंडाधिकारी तैनात रहेंगे। पूरे नगर में मां काली की वार्षिक पूजा को लेकर भक्तिमय माहौल है। मंदिर प्रांगण को रंग-बिरंगी झालरों और लाइटों से सजाया गया है। मेला क्षेत्र में बच्चों के लिए झूले, मिठाइयों की दुकानें, खिलौने, खेल सामग्री और मनोरंजन के अन्य साधन लगाए गए हैं। काली आश्रम पूजनोत्सव समिति के अध्यक्ष भगवानजी वर्मा ने बताया कि मां काली परिसर को बनारस व कलकत्ता से मंगाए गए फूलों से सजाने काम अंतिम चरण में है। साथ ही समिति के सदस्य श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर जगह-जगह तैनात रहेंगे। महिला व पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग गेटों से कतारबद्ध कराया जाएगा ताकि सुविधा से श्रद्धालु माता रानी का दर्शन कर सकें। श्रद्धालु भक्तों के लिए विशेष प्रसाद वितरण का आयोजन होगा।



संक्षिप्त समाचार

'एक वृक्ष मां के नाम' कार्यक्रम के तहत नामकुम के प्राथमिक मध्य विद्यालय में लगाए गए 50 पौधे

राची, एजेंसी। शोध परक सामाजिक –आर्थिक एवं संसदीय अध्ययन केंद्र के सदस्यों द्वारा नामकुम के राजकीय कृत बुनियादी मध्य विद्यालय परिसर में 'एक वृक्ष मां के नाम' कार्यक्रम के तहत गहन वृक्षारोपण किया गया. संस्था द्वारा फलदार, छायादार और रिहायशी इमारती लकड़ी के पौधे यथा आम, जामुन, अमरूद, कटहल तथा काला सीसम , सागवान, गम्हार , महोगनी आदि के 50 पौधे लगाए गये. इस कार्यक्रम में संस्थान के सचिव अयोध्या नाथ मिश्र, संयुक्त सचिव अमरनाथ झा, रमाकांत महतो, अरूण कुमार मिश्र, अजय तिवारी, डॉ विजय शंकर दास, विजय सिंह आदि के साथ विद्यालय के प्राचार्य बृजेंद्र चौबे एवं सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और परिसर में पौधरोपण किया. कार्यक्रम का आयोजन रमाकांत महतो एवं शिक्षक विजय कुमार सिंह ने किया था. सबसे महत्वपूर्ण विषय यह रहा कि विद्यालय के छात्र छात्राओं ने वृक्षारोपण को एक उल्लेखनीय आयोजन के रूप में संपादित किया. इस मौके पर प्रवीण कुमार गुप्ता, पुष्पा कुजूर, पुष्पा बेक, इंदु कुमारी, मंजु रानी, अशोक कुमार, रीमा बाडा एवं प्रियंका तिर्की सभी शिक्षक– शिक्षिकाओं ने बड़े उत्साह के साथ मां के नाम पेड़ लगाया. इस मौके पर सचिव अयोध्या नाथ मिश्र ने वृक्षारोपण के भौतिक– मौलिक महत्व एवं पर्यावरण संतुलन की जानकारी दी. मौके पर विद्यालय में हर तरफ उत्साह देखा गया.

रांची में 8वीं क्लास की बच्ची बनी मां, सदर अस्पताल में हुआ रेप का खुलासा

रांची, एजेंसी। रांची सदर अस्पताल में रविवार को एक 14 वर्षीय अविवाहित नाबालिग ने बच्चे को जन्म दिया है। किशोरी के प्रसव की इस घटना के साथ ही उसके साथ महीनों पहले गांव में हुए दुष्कर्म की घटना भी प्रकाश में आई है। नाबालिग का सुरक्षित प्रसव कराने के बाद सदर अस्पताल ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। जिसके बाद रांची के लोअर बाजार थाने की पुलिस ने किशोरी के बयान पर दुष्कर्म की प्राथमिकी दर्ज कर मामला गुमला के बसिया थाने को सौंप दिया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया है कि गांव में स्कूल से लौटते वक्त एक युवक ने सुनसान जगह पर अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। वहीं किसी को मामले की जानकारी देने पर जान से मारने की धमकी दी। डर के मारे उसने किसी को घटना के बारे में कुछ नहीं बताया। लगभग पांच महीने बाद पीड़िता के शरीर में परिवर्तन को देखने को मिला तो घरवालों ने चिकित्सक से उसकी जांच करवाई। इसके बाद पीड़िता ने घर वालों को घटना की पूरी जानकारी दी। घरवाले भी लोकलाज के डर से चुप रहे। पांच महीने के बाद गर्भपात कराने से जच्चा–बच्चा दोनों की जान को खतरा हो सकता था। इस कारण उन्होंने नाबालिग बेटी का प्रसव कराने का निर्णय लिया और घर से दूर रांची आकर सदर अस्पताल में प्रसव कराया। किशोरी के माता–पिता ने बताया कि डर और लोकलाज के कारण उन्होंने बच्ची के साथ दुष्कर्म और उसकी गर्भावस्था की जानकारी होने के बाद भी इसकी शिकायत नहीं की। सदर अस्पताल के डाक्टरों ने बताया कि नाबालिग ने पूरे नौ माह के बाद बच्चे को जन्म दिया है। फिलहाल बच्चा ठीक है और जच्चा–बच्चा के बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी उपचार व स्वास्थ्य सुरक्षा के उपाए किए जा रहे हैं। मामला सामने आने के बाद कई स्वंयसेवी संगठन भी बच्ची के साथ आए हैं और उसके साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपित को सख्त सजा दिलाने की मांग कर रहे हैं। फिलहाल नवजात और पीड़ित नाबालिग डाक्टरों की निगरानी में है।

डेंगू जांच के नाम पर फर्जीवाड़ा! स्वास्थ्य विभाग ने प्राइवेट अस्पतालों को भेजा नोटिस

धनबाद, एजेंसी। बरसात के साथ ही डेंगू के आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है। इसे लेकर सभी निजी अस्पताल और नर्सिंग होम को नोटिस भेजा गया है ।इसमें डेंगू के मरीज भर्ती होने पर इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को देने का निर्देश दिया गया है। जानकारी छुपाने वाले निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है ।सिविल सर्जन डॉक्टर आलोक विश्वकर्मा ने बताया कि डेंगू को अधिसूचित बीमारी की श्रेणी में रखा गया है। ऐसे में कहीं भी निजी अस्पताल में डेंगू मरीज के आने पर इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को देनी है ।स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की माने तो डेंगू की जांच के नाम पर निजी अस्पताल और नर्सिंग होम फर्जीवाड़ा करते हैं ।डेंगू मरीज की पुष्टि केवल एलाइजा जांच के जरिए की जा सकती है, लेकिन कुछ निजी अस्पताल और जांचघर एनएस वन जांच करके इसे डेंगू घोषित कर देते हैं, जो गलत है। डेंगू बीमारी की पुष्टि केवल स्वास्थ्य विभाग ही कर सकता है ।डेंगू की जांच के लिए मेडिकल कॉलेज और सदर अस्पताल में फ्री व्यवस्था की गई है। मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में 16000 डेंगू के जांच किट उपलब्ध कराए गए हैं। वहीं सदर अस्पताल में भी किट की उपलब्धता है।

राष्ट्रपति का शहर में आगमन, ट्रैफिक व्यवस्था बदली

रांची, एजेंसी। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर दो दिनों के लिए शहर के ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया गया है। रातू रोड स्थित राजभवन से लेकर बिरसा मुंडा एयरपोर्ट तक 84 जगहों पर बैरिकेडिंग की गई है। मुख्य सड़क को जोड़ने वाले 76 बाइलेन को बंद किया गया है। राष्ट्रपति का काफिला एयरपोर्ट रोड से हिनू चौक के रास्ते बिरसा चौक से अरगोड़ा चौक होते हुए सहजानंद चौक बाइपास रोड होकर गुजरेगा। फिर न्यू मार्केट चौक होकर हॉटलिप्स चौक से राजभवन पहुंचेगा। इस पूरे रूट में बंद किए हर बाइलेन के पास अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है।

राष्ट्रपति का काफिला निकलने से 5 मिनट पहले बाइलेन को पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। काफिला पार होने के बाद वरीय अधिकारियों का आदेश पर जवान बाइलेन को खोलेंगे। ट्रैफिक पुलिस ने 31 जुलाई की शाम 4 से 7 और 1 अगस्त की सुबह 7 से 10 बजे तक उक्त मार्ग का कम से कम उपयोग करने का लोगों से आग्रह किया है। इससे संबंधित आदेश भी ट्रैफिक एसपी कैलाश करमाली ने जारी कर दिया है।

एयरपोर्ट जाने वाले यात्री शाम 4: 30 बजे से पहले पहुंच जाएं : बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों को ट्रैफिक पुलिस ने अलर्ट किया है। आग्रह किया गया है कि जिनकी फ्लाइट का समय शाम 5 से 6: 30 बजे के बीच है, वे किसी भी हाल में 4: 30 बजे तक एयरपोर्ट पहुंच जाएं। वहीं 1 अगस्त को सुबह 8 से 10 बजे के बीच वाली फ्लाइट के यात्री सुबह 7: 30 बजे तक एयरपोर्ट पहुंच जाएं। शहर से एयरपोर्ट तक जाने के लिए रिंग रोड से सदाबहार चौक के रास्ते घाघरा रोड से हेथु बस्ती होते हुए



परिचालन का निर्देश है।

अरगोड़ा से हॉटलिप्स चौक तक ऑटो व ई-रिक्शा का बंद रहेगा

31 की शाम 4: 30 से 06: 30 बजे तक अरगोड़ा से हॉटलिप्स चौक तक ऑटो व ई-रिक्शा का परिचालन बंद रहेगा। वहीं सुबह 8 से रात 10 बजे तक शहर में बड़े वाहनों की इंट्री बंद की गई है। दोपहर 3 से रात 8 बजे तक छोटे मालवाहन वाहन भी परिचालन नहीं कर सकेंगे। एक अगस्त की सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक भी बड़े वाहनों और सुबह 7 से 11 बजे तक छोटे मालवाहक वाहनों भी का शहर में प्रवेश व परिचालन बंद रहेगा।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम... 1500 अतिरिक्त जवान तैनात

राष्ट्रपति के आगमन को लेकर शहर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। 1500 अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। जिला बल के अलावा जैप, आईआरबी, रैप और होमगार्ड के जवानों को लगाया गया है। सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट मोड में रखा गया है। राष्ट्रपति के कार्यक्रम स्थल के अलावा राजभवन के आस-पास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। तीन लेयर में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। रूट लाइन पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे की भी व्यवस्था की गई है। इसके अलावा रूट लाइन में पड़ने वाले सभी घरों के छतों की ड्रोन से निगरानी की जा रही है।

यह है आदेश...

1 अगस्त : सुबह 7 से 10 बजे के बीच शहर से कांके, रातू, काठीटांड़, दलादली और कटहल मोड़ की ओर जाने वाले वाहन सवार मेन रोड, लालपुर रोड, कांटाटोली फ्लाई ओवर और बूटी मोड़ से रिंग रोड होते हुए गंतव्य तक जा सकेंगे। वहीं कांके रोड, रातू रोड, कटहल मोड़ और काठीटांड़ की ओर से आने वाले वाहन सवार बोड़ेया रोड, बूटी मोड़ और कांटाटोली फ्लाई ओवर से प्रवेश करेंगे।

31 अगस्त : शाम 4 से 7 बजे तक कांके, रातु, काठीटांड़, दलादली और कटहल मोड़ की ओर जाने वाले वाहन सवार मेन रोड, लालपुर रोड, कांटाटोली पलाई ओवर और बूटी मोड़ होते हुए रिंग रोड के रास्ते गंतव्य तक जा सकेंगे। कांके रोड, रातू रोड, कटहल मोड़ और काठीटांड़ की ओर से शहर आने वाले वाहन सवार कांके रिंग रोड, बोड़ेया रोड, बूटी मोड़ से आकांटाटोली फ्लाईओवर होकर जाएंगे।

पाकुड़ में घर के कमोड से निकला कोबरा

15 मिनट में रेस्क्यू कर निकाला गया जहरीला सांप, परिवार वालों में मचा हड़कंप

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ के महेशपुर थाना क्षेत्र के एक घर में तब हड़कंप मच गया, जब बाथरूम के कमोड से एक जहरीला कोबरा सांप निकलता हुआ देखा गया। घटना विनोद भगत के घर की है, जहां वे जैसे ही बाथरूम गए, उन्होंने कमोड में कोबरा को देखा तो घबरा गए। कोबरा देखते ही परिवार के अन्य सदस्य भी बुरी तरह डर गए। घर में शोर सुनते ही आस-पड़ोस के लोग भी जमा हो गए। कुछ ही देर में पूरे इलाके में बात फैल गई। दर्जनों लोग घर के बाहर पहुंच गए। आनन-फानन में परिवार ने वन विभाग को सूचना दी।



जानकारी मिलते ही वन विभाग की रेस्क्यू टीम के साथ असराफुल शेख मौके पर पहुंचे। उन्होंने पूरी सावधानी से बाथरूम का निरीक्षण किया। फिर करीब 15 मिनट की मशक्कत के बाद कोबरा को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन के सफल होते ही वहां मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। विनोद भगत के परिवार ने वन विभाग की त्वरित कार्रवाई और सतर्कता की सराहना की। असराफुल शेख ने बताया कि पकड़ा गया कोबरा बेहद जहरीला था।

उन्होंने कहा कि बारिश के दिनों में ऐसे सांप जमीन से बाहर आकर छिपने के लिए शुष्क और सुरक्षित जगह तलाशते हैं। यही कारण है कि वे कभी-कभी घरों के अंदर घुस आते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि बारिश के मौसम में विशेष सतर्कता बरतें। अगर कहीं सांप दिखाई दे, तो उसे मारने के बजाय वन विभाग को तुरंत सूचना दें।

लगातार बारिश से गिरिडीह में भू-धंसान : रांची जाने वाली नेशनल हाईवे पर बना 12 फीट गड्ढा

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले में बीते कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश अब कहर बनकर सामने आ रही है। बारिश के चलते जिले के अलग-अलग इलाकों से भू-धंसान की घटनाएं सामने आ रही हैं। मंगलवार को गिरिडीह-रांची मेन रोड पर स्थित गिरिडीह स्टेडियम के पास योगीटांड इलाके में सड़क पर अचानक करीब 12 फीट गहरा गड्ढा बन गया। यह गड्ढा सड़क के बीचोंबीच बना, जिससे आवागमन प्रभावित हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही मुफ्फसिल थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तत्काल प्रभाव से क्षेत्र की घेराबंदी की गई। इसके साथ ही सीसीएल की टीम भी मौके पर सक्रिय हो गई। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सड़क के दोनों ओर बेरिकेडिंग कर दी गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए देर रात गिरिडीह के उपायुक्त रामनिवास यादव और पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार खुद घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने भू-धंसान वाले इलाके का निरीक्षण किया और सीसीएल अधिकारियों के



साथ-साथ पुलिस टीम को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार के निर्देश पर ट्रैफिक डीएसपी कौसर अली के नेतृत्व में पूरे क्षेत्र को सुरक्षित करने के लिए बैरिकेड लगाए गए हैं। बता दें कि यह इलाका राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है, जहां से प्रतिदिन सैकड़ों वाहन गुजरते हैं। यही नहीं, समाहरणालय भी इस इलाके से कुछ ही दूरी पर है और सभी वरिष्ठ अधिकारी इसी रास्ते का उपयोग करते हैं।

स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए भारी वाहनों का आवागमन रोक दिया गया है। रास्ते को अस्थायी रूप से डायवर्ट कर दिया गया है। साथ ही, सड़क पर बने गड्ढे को भरने का काम शुरू कर दिया गया है। घटनास्थल पर डीएसपी नीरज कुमार सिंह, मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो, ट्रैफिक इंस्पेक्टर डुगनू टोपनो और सीसीएल के अधिकारी व जवान भी मौजूद रहे।

भगवान शिव का अनोखा भक्त, हर पूर्णिमा 105 किलोमीटर पैदल चलकर पहुंचते हैं बाबा धाम, साल में 13 बार करते हैं बाबा का

हजारीबाग, एजेंसी। सावन के महीने में शिव भक्त भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए कठिन से कठिन पूजा-अर्चना करते हैं. कोई सुल्तानगंज से पैदल 24 घंटे में जल चढ़ाता है. कोई दंडवत बाबा नगरी पहुंचता है तो कोई कंधे पर 101 लीटर जल लेकर बाबा नगरी पहुंचता है. भगवान भोलेनाथ के एक ऐसे ही भक्त हैं हजारीबाग निवासी उपेंद्र कुमार. जो हर पूर्णिमा को सुल्तानगंज से जल लेकर बाबा नगरी देवघर पहुंचकर बाबा का जलाभिषेक करते हैं.

उपेंद्र कुमार की यह यात्रा 24 घंटे में पूरी हो जाती है. वह साल में 13 बार देवघर जाते हैं. पेशे से व्यवसायी उपेंद्र कुमार की आस्था इतनी गहरी है कि वे पिछले 40 वर्षों से बाबा धाम जाते रहे हैं. इतना ही नहीं, पिछले 12 वर्षों से वे हर महीने की पूर्णिमा को सुल्तानगंज से कांवर लेकर जल भरते हैं और 105 किलोमीटर पैदल चलकर बाबा बैद्यनाथ को जल चढ़ाते हैं.

उपेंद्र कुमार ने बताया कि बचपन से ही भगवान शिव में उनकी अटूट आस्था रही है. जब वे पहली बार बाबा के दर्शन करने गए, तभी से उनका जीवन बदलने लगा. बाबा की कृपा से ही उनका व्यवसाय चल रहा है, परिवार खुशहाल है और वे प्रसिद्ध भी हैं. उपेंद्र कुमार की उम्र करीब 65 वर्ष है, लेकिन उनका उत्साह किसी युवा कांवड़िये जैसा है. वे 24 घंटे में यात्रा पूरी कर लेते हैं. उनके बेटे और बहू दोनों इंजीनियर हैं, बेटी डॉक्टर बनने की पढ़ाई कर रही है.

उपेंद्र का मानना है कि यह सब बाबा की कृपा से ही संभव हो पाया है. उन्होंने आगे बताया कि पिछले 30 वर्षों में एक भी दिन ऐसा नहीं बीता, जब उन्होंने बाबा की पूजा न की हो. पूर्णिमा आते ही मन स्वतः ही बाबा धाम की ओर खिंचा चला आता है. कांवड़ यात्रा अब उनके जीवन का अभिन्न अंग बन गई है.



उपेंद्र कुमार सिर्फ़ एक भक्त नहीं, बल्कि आस्था की एक मिसाल हैं जो दर्शाती है कि अगर सच्ची लगन हो, तो कोई भी राह मुश्किल नहीं होती. उनकी यात्रा दर्शाती है कि जब मन में आस्था और हृदय में भक्ति हो, तो ईश्वर राह जरूर दिखाते हैं.

अमन सिंह को गोली मारने के आरोपी रितेश को तीन वर्ष कैद

धनबाद, एजेंसी। यूपी के गैंगस्टर अमन सिंह को धनबाद जेल में गोली मारने के आरोपी यूपी प्रतापगढ़ निवासी सुंदर महतो उर्फ रितेश यादव को प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी नूतन एक्का की अदालत ने पहचान छुपाने व पुलिस को दिग्भ्रमित करने के मामले में तीन वर्ष की कैद व पांच हजार रुपये जुर्माना से दंडित किया है। रितेश यादव उर्फ सुंदर महतो के विरुद्ध पहचान छुपाने का आरोप लगाते हुए पुटकी थाना में 13 दिसंबर 2023 को प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। इसके मुताबिक 25 नवंबर 2023 को पुलिस ने उसे डीएवी मैदान मुनीडीह से चोरी की बाइक के साथ पकड़ा गया था।

उस वक्त रितेश यादव ने अपना नाम सुंदर महतो उर्फ नीतीश महतो और पता तेलो चंद्रपुरा, बोकारो बताया था। तीन दिसंबर 2023 को धनबाद जेल में अमन सिंह की हत्या होने के बाद जब पुलिस ने उसकी संलिप्तता इस हत्याकांड में पायी, तो पुलिस ने अमन सिंह हत्याकांड में सुंदर महतो का पुलिस रिमांड लिया। पुलिस रिमांड में इस बात का खुलासा हुआ कि सुंदर महतो उसका नाम नहीं है, बल्कि उसने अपनी पहचान छुपा कर पुलिस को दिग्भ्रमित किया था। बोकारो पुलिस ने भी जांच के बाद यह प्रतिवेदन दिया था कि तेलो चंद्रपुरा में सुंदर महतो पिता गुरु चरण महतो नाम का कोई आदमी नहीं है। उसका वास्तविक नाम रितेश यादव और पता चारंगपुर जिला प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश था।

पूर्व डिप्टी मेयर व कांग्रेस नेता नीरज सिंह समेत चार लोगों की हत्या मामले में बीते आठ वर्षों से जेल में बंद झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह की ओर से बहस शुरू हुई। झारखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता मिलन दे ने अदालत में तर्क देते हुए कहा कि नीरज सिंह की हत्या की सूचना मिलते ही सरायढेला थाना प्रभारी अरविंद कुमार मौके पर पहुंच गये थे, जहां उन्होंने जांच शुरू कर दी थी।

वहां से गोली का खोखा, ब्लड सैंपल अन्य चीजें जब्त की। वहीं मृतकों की मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट भी बना ली। उपायुक्त धनबाद ने एसडीएम, एसएसपी व सिविल सर्जन को पत्र लिखकर रात में ही पोस्टमार्टम करने का निर्देश दिया था, तो जब अनुसंधान शुरू हो गया था, उसके दो दिनों के बाद अभिषेक सिंह द्वारा थाने में लिखित आवेदन दिया गया। जांच के दौरान दिया गया इसे एक आवेदन माना जा सकता है प्राथमिकी नहीं।

झारखंड में 108 एंबुलेंस चालकों का हल्लाबोल! 12 घंटे की ड्यूटी पर कम वेतन और शोषण के खिलाफ अनिश्चितकालीन हड़ताल

रांची/कोडरमा, एजेंसी। झारखंड एंबुलेंस कर्मचारी संघ के बैनर तले राज्यभर में एंबुलेंस चालकों ने काम का बहिष्कार कर दिया है, जिसके कारण 108 एंबुलेंस का परिचालन पूरी तरह से ठप पड़ गया है।

तख्तियों को दिखाकर प्रदर्शन : राजधानी रांची स्थित सदर अस्पताल परिसर में सोमवार को 108 एंबुलेंस सेवा से जुड़े कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने सरकार विरोधी नारे भी लगाए और तख्तियां लेकर धरने पर बैठ गए। हड़ताल के पहले दिन ही अस्पताल परिसर में आपातकालीन सेवाएं प्रभावित होती दिखीं।

12–12 घंटे की ड्यूटी से भड़के लेकिन उसके बदले न तो उन्हें उचित मानदेय दिया जाता है और न ही किसी प्रकार की सरकारी सुविधा का लाभ मिलता है। वे न तो ईपीएफ के दायरे में हैं और न मेडिकल सुविधा या बीमा का उन्हें लाभ मिलता है।

वेतन कटौती, प्रताड़ना और दुर्व्यवहार से परेशान एंबुलेंस कर्मी : कर्मचारियों ने आगे बताया कि वे राज्य के विभिन्न हिस्सों में आपातकालीन सेवा के तहत मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने का कार्य करते हैं। बावजूद इसके उनका शोषण लगातार जारी है। वेतन कटौती, अवकाश मांगने पर प्रताड़ना और ड्यूटी के दौरान संस्था के पदाधिकारियों द्वारा दुर्व्यवहार जैसी घटनाएं आम हो गई हैं।

एनआरएचएम के तहत हो स्थाई



मिलता। हमारी मांग है कि हमें एनआरएचएम के तहत स्थायी रूप से बहाल किया जाए, ताकि हमें साल भर का वेतन और सरकारी कर्मचारी जैसी सविधाएं मिल सके।

इससे पहले एंबुलेंस कर्मियों ने 22 जुलाई को एकदिवसीय धरना दिया था और मांगों पर उचित कार्रवाई के लिए, 27 जुलाई तक का समय दिया था लेकिन जब एंबुलेंस चालकों की मांग पूरी नहीं हुई तो अपने तय कार्यक्रम के अनुसार उन्होंने अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा कर दी।

कम वेतन समेत शोषण का आरोप : हड़ताल से पहले दिन कोडरमा सदर अस्पताल में एंबुलेंस चालकों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। एंबुलेंस चालकों ने कहा समाधान फाउंडेशन के तहत, 108 एंबुलेंस का संचालन किया जा रहा है। एंबुलेंस चालकों ने आरोप लगाया कि संस्था के द्वारा, एंबुलेंस चालकों को न सिर्फ मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है, उचित मानदेय नहीं दिया जाता है उल्टा उनका आर्थिक रूप से शोषण किया जाता है। इसके अलावा एंबुलेंस चालकों को किसी भी तरह की सरकारी सुविधा का लाभ भी नहीं मिल रहा है। एंबुलेंस चालकों ने आरोप लगाते हुए कहा कि उनका वेतन काटा जाता है एवं अवकाश मांगने पर प्रताड़ित किया जाता हैं और ड्यूटी के दौरान संस्था के पदाधिकारियों के द्वारा, एंबुलेंस चालकों के साथ दुर्व्यवहार तक किया जाता है। जबकि हम लोग आपातकालीन सेवा के तहत मरीजों को अस्पताल ले जाने का कार्य करते हैं।

हर हाल में पूरी होनी चाहिए हमारी मांगें: कर्मचारी : हड़ताल पर बैठे 108 एंबुलेंस कर्मियों ने कहा कि हर साल नई संस्था आती है और सभी संस्था साल में 2 महीने 3 लिखित आश्वासन और ठोस समाधान नहीं मिलेगा, वे हड़ताल से पीछे नहीं हटेंगे। इस हड़ताल का असर अन्य जिलों में भी दिख सकता है, क्योंकि राज्यभर में 108 एंबलेंस सेवा

केशव टाइम्स

संपादकीय

बक्सर, 31 जुलाई 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

सुभाषितम्

समय और बुद्धि बड़े से बड़े शोक को भी कम कर देते हैं।

- कहावत

हस्तक्षेप से चुनाव आयोग की निष्पक्ष भूमिका पर सवालिया निशान

बिहार में चल रही मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया यानी (एसआईआर) अब चुनाव आयोग की प्रशासनिक कवायद नहीं रह गई है। बल्कि यह प्रक्रिया भारतीय लोकतंत्र की नींव को झकझोर देने वाला संवेदनशील मुद्दा बन गया है। रिपोर्टर्स कलेक्टिव और कई स्वतंत्र पत्रकारों की पड़ताल से जमीनी हकीकत एवं वास्तविकता उजागर हुई है। एसआईआर की पूरी प्रक्रिया न केवल अपारदर्शी है, बल्कि इसमें गृह मंत्रालय, विधि मंत्रालय के साथ चुनाव आयोग की भूमिका पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। सबसे पहला सवाल चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर है। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग एक स्वतंत्र और स्वायत्तशायी संस्था है। जब चुनाव आयोग गृह मंत्रालय या विधि मंत्रालय से बिना सार्वजनिक सूचना के कानूनी सलाह लेकर ऐसा कोई बड़ा कदम उठाती है। जो चुनाव की निष्पक्षता को प्रभावित कर सकते हैं। यह उसकी स्वायत्तता पर प्रश्न चिन्ह लगाता है। रिपोर्ट के अनुसार आयोग ने बिहार में एसआईआर की शुरूआत करने से पहले विधि मंत्रालय से परामर्श लिया था। इसकी कोई फाइल मौजूद विधि मंत्रालय और चुनाव आयोग के पास मौजूद नहीं है। सूचना अधिकार कानून में भी इसकी पुष्टि नहीं की गई है। चुनाव आयोग ने विधि मंत्रालय और गृह मंत्रालय की राय पर विशेष गहन परीक्षण के नियम तैयार किए गए हैं। ऐसे में यह संदिग्ध गहरा होता है। क्या आयोग पर सरकार और उसके मंत्रालयों का कोई दबाव था? यह सही है तो चुनाव आयोग ने यह जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं विधि मंत्रालय का यह कहना कि उनके पास कोई रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। इसे एक गंभीर प्रशासनिक चूक या जानबूझकर की गई गड़बड़ी की ओर इशारा करता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी सरकारी प्रक्रिया का हर दस्तावेज रिकॉर्ड में होना चाहिए, यह नियम है। जब करोड़ों नागरिकों के मतदाता अधिकारों पर असर डालने वाला निर्णय लिया जा रहा था। तब इस स्तर की गोपनीयता ना केवल अलोकतांत्रिक है। बल्कि संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ होकर कई संदेहों को जन्म दे रही है। इस मामले में गृह मंत्रालय की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है। विभिन्न जिलों के कलेक्टरों और पुलिस को एसआईआर के नाम पर जिन लोगों की नागरिकता प्रमाणित कराने की जिम्मेदारी दी गई है। यह अप्रत्यक्ष रूप से असम में की गई एनआरसी जैसी प्रक्रिया की पुनरावृत्ति के समान है। संविधान के अनुच्छेद 326 में उल्लिखित नागरिकों के सार्वभौमिक मौलिक एवं मताधिकार के सिद्धांत पर गहरा आघात माना जा रहा है। तीनों संस्थाओं जिसमें गृह मंत्रालय, विधि मंत्रालय और चुनाव आयोग की संयुक्त राय से यदि मतदाता सूची में परिवर्तन या छेड़छाड़ हो रही है। तो यह लोकतंत्र तथा संविधान की आत्मा पर सीधा हमला है। बिहार में मतदाता सूची में हो रहे सघन परीक्षण के बाद इस सारे देश में लागू करने की बात की जा रही है ऐसी स्थिति में निष्पक्ष न्यायिक जांच बहुत जरूरी हो जाती है। एडीआर एक ऐसी संस्था है, जो पिछले दो दशक से चुनाव सुधार को लेकर काम कर रही है। बिहार में मतदाता सूची के सघन परीक्षण के पूर्व चुनाव आयोग द्वारा राजनीतिक दलों से कोई चर्चा नहीं की गई है। जब चुनाव आयोग नियमों में बड़े परिवर्तन कर रहा था। पिछले 7 दशक में चुनाव आयोग राजनीतिक दलों को बैठक बुलाकर चर्चा करके नियमों में संशोधन या चुनाव सुधार के लिए रायशमारी करता था। पिछले कुछ वर्षों से चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से संवाद बंद कर दिया है। चुनाव आयोग अपने स्तर पर ही नियमों में परिवर्तन करता चला आ रहा है। चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली और उसके निर्णयों की जितनी आलोचना पिछले 2-3 वर्षों से हो रही है। इसके पहले कभी नहीं हुई। चिंता की बात यह है, चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली से अब राजनीतिक दलों और मतदाताओं का भरोसा खत्म होने लगा है।

चिंतन-मनन

भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य



भगवान भौतिक जगत के पालन व निर्वाह के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी नहीं हैं। हम एटलस (एक रोमन देवता) को कंधों पर गोला उठाये देखते हैं। वह अत्यन्त थका लगता है और इस विशाल पृथ्वीलोक को धारण किये रहता है। हमें किसी ऐसे चित्र को मन में नहीं लाना चाहिए, जिसमें कृष्ण इस सृजित ब्रह्मांड को धारण किये हों। उनका कहना है कि यद्यपि सारी वस्तुएं उन पर टिकी हैं, सारे लोक अन्तरिक्ष में तैर रहे हैं और यह अन्तरिक्ष परमेश्वर की शक्ति है किन्तु वे अन्तरिक्ष से पृथक स्थित हैं। भगवान कहते हैं, यद्यपि सब रचित पदार्थ मेरी अचिंत्य शक्ति पर टिके हैं, किन्तु भगवान रूप में मैं उनसे पृथक रहता हूं। यह भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य है। वैदिककोश निरुक्ति में कहा गया है- परमेश्वर शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अचिंत्य आश्चर्यजनक लीलाएं कर रहे हैं। उनका व्यक्तित्व विभिन्न शक्तियों से पूर्ण है और संकल्प स्वयं एक तथ्य है। भगवान को इसी रूप में समझना चाहिए। हम कोई काम करना चाहते हैं, तो अनेक विघ्न आते हैं और कभी-कभी जो चाहते हैं वह नहीं कर पाते। किन्तु जब कृष्ण कोई कार्य करना चाहते हैं, तो सब इतनी पूर्णता से सम्पन्न हो जाता है कि कोई सोच नहीं पाता कि यह सब कैसे हुआ। भगवान समझाते हैं- यद्यपि वे समस्त सृष्टि के पालक तथा धारणकर्ता हैं, किन्तु वे इस सृष्टि का स्पर्श नहीं करते। उनके मन और स्वयं उनमें कोई भेद नहीं है। वे हर वस्तु में उपस्थित हैं, किन्तु सामान्य व्यक्ति समझ नहीं पाता कि वे साकार रूप में उपस्थित हैं। वे भौतिक जगत से भिन्न हैं तो भी प्रत्येक वस्तु उन्हीं पर आश्रित है। इसे ही भगवान की योगशक्ति कहा गया है।

मतदाता सूची मामले में देश को गुमराह कर रहा विपक्ष

- डॉ. आशीष वशिष्ठ

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाया गया विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पूरा हो चुका है। बिहार विधानसभा से लेकर संसद तक एसआईआर का विरोध जारी है। हालांकि विपक्ष के तीखे विरोध के बीच चुनाव आयोग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एसआईआर बिहार तक ही सीमित नहीं रहेगा। अगले साल पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। सिर्फ असम में भाजपा सरकार है। शेष राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। वे अभी से चौकन्नी हो गई हैं और एसआईआर को एक राष्ट्रीय मुद्दा बना देना चाहती हैं। वास्तव में विपक्ष रणनीति के तहत एसआईआर पर देशवासियों को गुमराह कर रहा है। सड़क से संसद तक वो एसआईआर का विरोध कर रहा है, और चुनाव आयोग पर अमर्यादित बयानबाजी से लेकर आरोप तक लगा रहा है। जबकि तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि बिहार में एसआईआर का विरोध कर रहीं पार्टियों ने भी अपने बूथ लेवल एजेंट यानी बीएलए को बढ़-चढ़कर काम में लगाया था। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 23 जून को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के पहले कांग्रेस ने केवल 8586 बीएलए लगाए थे। लेकिन 25 जुलाई को प्रक्रिया समापन के वक्त कांग्रेस के 17549 बीएलए नियुक्त रहे। कांग्रेस ने एसआईआर प्रक्रिया का विरोध करने के बावजूद इसके लिए 105 फीसदी बीएलए बढ़ाए। भाजपा के 53338 बीएलए प्रक्रिया का हिस्सा बने। राष्ट्रीय जनता दल के 47506 बीएलए प्रक्रिया में शामिल हुए। जनता दल यूनाइटेड के 36550 बीएलए शामिल हुए। लेफ्ट पार्टियों ने एसआईआर प्रक्रिया की शुरूआत में दिलचस्पी नहीं दिखाई लेकिन आखिर तक इन पार्टियों ने भी बीएलए की संख्या बढ़ाई। बिहार में 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के कुल 1 लाख 60 हजार 813 बीएलए गहन मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया का हिस्सा बने। किसी तरह की अनियमितता होने पर विपक्षी दलों के कार्यकर्ता तुरंत अपना विरोध कर सकते हैं, लेकिन अब तक एक भी ऐसा मामला सामने नहीं आया है जहां विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं ने इसकी शिकायत की हो। केवल विपक्ष के नेता ही इस तरह की बात कर सनसनी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष का असली चेहरा और चरित्र यही है। वो एक और देशवासियों को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओं की साख को धूमिल करने का कुकृत्य करता है, तो वहीं दूसरी और कानून प्रक्रियाओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा भी लेता है।

बिहार ही नहीं देशभर में फर्जी और अयोग्य मतदाताओं को हटाने की मांग राजनीतिक दल समय समय पर उठाते रहे हैं। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का सम्मीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार के 99.8 फीसदी यानी 7.23 करोड़ मतदाता इस रिवीजन प्रक्रिया में कवर हो चुके हैं। दावा किया जा रहा है कि पुनरीक्षण में बिहार में कम से कम 61 लाख मतदाताओं के नाम कट सकते हैं। इसमें 21.6 लाख मतदाताओं का निधन हो चुका है। 31.5 लाख मतदाता स्थाई तौर पर दूसरे स्थानों-शहरों में बस गए हैं। हैं। लगभग सात लाख मतदाताओं के नाम दो स्थानों की मतदाता सूची में दर्ज हैं।

बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में कुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है। साल 2020 के विधानसभा चुनावों में करीब बीस प्रतिशत सीटों पर जीत और हार का अंतर महज ढाई फीसद तक ही था। इनमें से 17 सीटों पर जीत तो एक प्रतिशत के कम वोट से ही हुई थी। अगर गहन पुनरीक्षण में इन मतदाताओं के नाम नहीं काटे गए तो उनके नाम पर चुनावी नतीजों को बदला जा सकता है। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव चुनाव बहिष्कार की धमकी दे रहे हैं। हालांकि देश की राजनीति के लिए यह कोई पहली बार नहीं है जब किसी राजनीतिक दल ने चुनाव बहिष्कार की धमकी दी हो। इससे पहले भी जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के राज्यों में अनेक बार कुछ राजनीतिक दलों और अतिवादी संगठनों ने चुनाव के बहिष्कार की धमकी दी। आपातकाल के बाद भी प्रमुख विपक्षी दलों ने चुनाव के बहिष्कार करने की बात की थी। हालांकि इसके बावजूद वहां चुनाव हुए और उन सभी लोगों ने चुनाव में हिस्सा भी लिया और जीत हासिल की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर का मुद्दा अपनी स्टाइल में उठा रहे हैं। वो केंद्र की बीजेपी सरकार पर वोटों की चोरी का आरोप लगा रहे हैं। वोटिंग में गड़बड़ी का इल्जाम तो राहुल गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद से ही लगाने लगे थे, लेकिन अब ज्यादा जोरदार तरीके से उसे उठा रहे हैं। राहुल गांधी महाराष्ट्र और कर्नाटक में वोटिंग में गड़बड़ी के आरोप लगा रहे हैं, लेकिन बाकी चुनावों के मामले चुप्पी साध लेते हैं।

राहुल गांधी पिछले कई दिनों से चुनाव आयोग पर तल्ख, अमर्यादित और अनर्गल टिप्पणियां कर रहे हैं। आयोग पर भाजपा से मिलीभगत का आरोप लगा रहे हैं। असल में राहुल गांधी चुनाव आयोग और चुनाव मशीनरी को दबाव में लेना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुले मंच से यह घोषणा कर चुकी हैं कि वे बंगाल में एसआईआर नहीं होने देंगी। विपक्ष के कई दूसरे नेता भी एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। ये वही लोग हैं जो लोकसभा चुनाव के दौरान मोहब्बत की दुकान, संविधान की रक्षा और संविधान की कॉपियां लेकर देशभर में घूमते थे। और भाजपा पर संविधान विरोधी होने और संविधान बदलने का आरोप लगाते थे। यही इनका मूल चरित्र है। 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने भाजपा के सत्ता में आने के बाद संविधान बदलने का खतरा होने का मुद्दा उठाया था। इससे कांग्रेस को अच्छी सफलता मिली थी। उसी तरह विपक्ष लोगों के बीच वोट खोने का डर और चुनाव में गड़बड़ी का मुद्दा उठाकर बढ़त हासिल करना चाहता है। इससे वह सत्ता पक्ष पर दबाव बनाने के साथ-साथ जनता के बीच अपनी पकड़ भी मजबूत करना चाहता है। यदि जनता के एक प्रतिशत लोगों के मन में भी अपना वोट खोने का डर पैदा हो जाता है तो इससे पूरा चुनावी गणित बदल सकता है। कांग्रेस-राष्ट्रीय जनता दल पूरी तैयारी के साथ इसी रणनीति पर काम करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

चुनाव आयोग ने केवल दूसरी जगह चले गए मतदाताओं, मृतकों और एक ही व्यक्ति के दो स्थानों पर मतदाता सूची में शामिल होने वाले मतदाताओं का नाम ही मतदाता सूची से हटाने की बात कही है, ऐसे में एसआईआर का विरोध पूरी तरह से अतार्किक है। चुनाव आयोग नियम कानून के तहत वोटर लिस्ट अपडेट कर रहा है। यह उसकी ड्यूटी का हिस्सा है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए स्वच्छ और स्पष्ट मतदाता सूची जरूरी है। वास्तव में, मतदाता सूची पर विपक्ष का हंगामा केवल राजनीतिक स्टंट कर जनता का ध्यान अपनी ओर खींचने की कोशिश है। विपक्ष चुनावों में अपनी हार को देखकर अभी से बहाने की तलाश कर रहे हैं। यह विरोध प्रदर्शन और चुनाव आयोग पर बयानबाजी उसी का नतीजा है।

क्या ट्रंप का भारत-चीन से श्रम हायरिंग प्रतिबंध का आदेश, भारत-ब्रिटेन एफटीए का जवाब है?

-किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारतीय बौद्धिक क्षमता व टैलेंट के बारे में सदियों से दुनियाँ का हर देश जानता है। आज दुनियाँ के अनेक देश भारत के साथ एफटीए की आस लगाए बैठे हैं, भारत राष्ट्रीय हित में डील जरूर करेगा, जैसे ब्रिटेन के साथ की है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी मुंबिया महाराष्ट्र मानता हूं कि अब भारत की अंतरिक्ष,स्वास्थ्य,शिक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों के विशेषज्ञ व विकसित देश संज्ञान लेकर अपनी रणनीतियां बना रहे है, लेकिन साँच को आंच नहीं भारत अपने ही देश में स्वदेशी टेक कंपनियों को सेवाएं देखकर, नामी टेक कंपनियों से आगे निकलने का हौसला रखकर, मंजिल तक पहुंचने में, जज्बा और जांबाजी से पूरी ताकत लगा देगा। आज 26 जुलाई 2025 को भारत के पीएम मालदीव की राजकीय यात्रा से लौटे जहां वे स्वतंत्रता दिवस के मुख्य अतिथि थे, कुछ दिन पहले जो मालदीव भारत अडानट के नारों से गूंज रहा था वह आज भारत इन के नारों से सराबोर हो रहा है जिसे देखकर दुनियाँ हैरान है। यह चर्चा हम इसलिए कर रहे है क्योंकि ब्रिटेन-भारत का एग्रीमेंट 24 जुलाई 2025 को हुआ था व अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका के वॉशिंगटन डीसी में 24,-25 जुलाई 2025 को ही एआई समिट में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट एप्पल, मेटा जैसी अनेक टेक कंपनियों से कहा कि वे अमेरिकी फर्स्ट को साकार करने के लिए भारत से श्रमिक हायरिंग करना बंद कर अमेरिकीयों को प्राथमिकता दें। बता दें ट्रंप की हालिया घोषणा (24 25 जुलाई 2025 को एआई समिट में) के अनुसार, उन्होंने अमेरिकी टेक कंपनियों जैसे गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल, मेटा आदि से कहा है कि वे भारत से हायरिंग बंद करें औरअमेरिकी श्रमिकों को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहाः अमेरिकी कंपनियाँ भारत जैसी जगहों से इंजीनियर और तकनीशियन हायर कर रही हैं।यह उनकी ग्लोबलिस्ट माईंडसेट के कारण हो रहा है, जिसे अब खत्म होना चाहिए। उन्होंने तीन एआई फोकस्ड एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स भी जारी किए; एआई इंफ्रास्ट्रक्चर तेजी से बनाने की रणनीति, फेडरैली फुंडिड एआई को पॉलिटिकल न्यूट्रलिटी का पालन करना, और अमेरिकी एआई एक्सपोर्ट्स को बढ़ाना। अब मुद्दा यह उठता है कि क्या ट्रंप ने उसी दिन यह बयान भारत-ब्रिटेन एफटीए का जवाब है? मेरा मानना है कि नहीं, यह भले ही एक ही दिन निर्णय हुए हो परंतु नीचे पैराग्राफ में हम तथ्यात्मक विश्लेषण से इसका जवाब देंगे क्योंकि ब्रिटेन का यूरोपीय यूनियन से त्यागपत्र देकर तुरंत भारत से एफटीए करना, भारतीय विदेशमंत्री की चीनी राष्ट्रपति व विदेशमंत्री समकक्ष से मिलना व ट्रंप का भारत-चीन श्रम हायरिंग प्रतिबंध आदेश का संज्ञान कुछ दूसरे एंगल से लिया जा रहा है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, क्या ट्रंप का भारत- चीन से श्रम हियरिंग प्रतिबंध का आदेश, भारत-ब्रिटेन एफटीए का जवाब है? एक तथ्यात्मक विश्लेषण। साथियों बात अगर हम ट्रंप द्वारा 24-25 जुलाई 2025 को वॉशिंगटन डीसी में एआई समिट में हायरिंग प्रतिबंध की घोषणा का भारत-ब्रिटेन एफटीए समझौते से कोई संबंध नहीं होने की करें तो ट्रम्प ने कल वॉशिंगटन डीसी में आयोजित एआई समिट में कहा अमेरिका की सबसे बड़ी टेक कंपनियां हमारी आजादी का लाभ उठाती हैं, लेकिन फैक्ट्रियां चीन में लगाती हैं और भारत से लोग भर्ती करती हैं। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि गूगल, माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियां अमेरिकी वर्कर्स को प्राथमिकता दें, यही देश हित में है। ट्रम्प ने टेक कंपनियों के ग्लोबलिस्ट माइंडसेट की आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिकियों को सबसे पहले नौकरी मिलनी चाहिए। ट्रम्प के मुताबिक विदेशों में फैक्ट्री और कर्मचारियों पर पैसा लगाकर कंपनियां अमेरिकी टैलेंट के हक को मार रही हैं।उन्होंने तीन एआई फोकस्ड एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स भी जारी किए;(1) एआई इंफ्रास्ट्रक्चर तेजी से बनाने की रणनीति, (2) फेडरैली फुंडिड एआई को पॉलिटिकल नेउट्रलिटी का पालन करना, और (3) अमेरिकी एआई एक्सपोर्ट्स को बढ़ाया।अब सवाल उठता है कि क्या यह भारत-ब्रिटेन एफटीए (मुक्त व्यापार समझौता) के जवाब में लिया गया कदम है? मेरा मानना है नहीं, ट्रंप की घोषणा और एआई समिट में की गई घोषणाएँ संयुक्त राज्य अमेरिका के घरेलू रोजगार व तकनीक राजनैतिक एजेंडे के अनुरूप हैं। इनका भारत ब्रिटेन एफटीए (जो भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच 24 जुलाई 2025 को हुआ) से कोई सम्बंध नहीं है। ट्रंप का जोर अमेरिकी टेक उद्योग को भारत से दूरी बनाने पर है, ताकि अमेरिकी श्रमिकों को अवसर मिलें। इसलिए, ट्रंप के आदेश को एफटीए का जवाब कहना तथ्यात्मक सही नहीं है।

साथियों बात अगर हम भारत ब्रिटेन एफटीए के तथ्यों की करें तो,ब्रेक्जिट के बाद ब्रिटेन को नए व्यापार साझेदारों की तलाश थी। भारत, एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति और उपभोक्ता बाजार के रूप में, ब्रिटेन के लिए रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण था। कई वर्षों के वार्ता के बाद, जुलाई 2025 में भारत और ब्रिटेन ने फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए, जो दोनों देशों के बीच वस्तुओं, सेवाओं, निवेश, आईपी और श्रमिक गतिशीलता को लेकर महत्वपूर्ण प्रावधानों से युक्त था। 90 पर्सेंट उत्पादों पर टैरिफ समाप्त-ब्रिटेन को भारतीय निवेशकों के लिए वीजा प्रक्रियाएँ आसान बनाना, डेटा संरक्षण और तकनीकी सहयोग पर विशेष अनुबंधशिक्षा, स्वास्थ्य और रक्षा क्षेत्रों में निवेश प्रोत्साहन यह समझौता भारत के लिए यूरोप के बाहर ब्रिटेन के साथ सबसे बड़ा व्यापारिक करार बन गया। साथियों बात अगर हम ट्रंप द्वारा 24-25 जुलाई 2025 को एआई समिट में हायरिंग प्रतिबंध आदेश के दिए वक्तव्य की करें तो, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में एक बयान देकर टेक जगत में हलचल मचा दी है, उन्होंने अमेरिका की दिग्गज कंपनियों-गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेजॉन, मेटा जैसी फॉर्च कंपनियों से कहा कि वे भारत में लोगों को नौकरी देना बंद करें और केवल अमेरिकियों को प्राथमिकता दें,उनका यह बयान वायरल हो गया, जिसमें वे इन कंपनियों को ग्लोबलिस्ट माइंडसेट का आरोप लगाते नजर आए।

भारत के लाखों नागरिकों को क्यों भा रहा है विदेश?

- डॉ. हिदायत अहमद खान

भारत के सक्षम नागरिकों में पिछले कुछ सालों में देश छोड़कर विदेश में बसने की प्रवृत्ति ज्यादा ही बढ़ गई है। यह हम नहीं कह रहे बल्कि संसद के उच्च सदन में विदेश मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े बता रहे हैं। लाखों की तादाद में न सिर्फ विदेश में बसने बल्कि भारतीय नागरिकता छोड़ने के जो आंकड़े सामने आए हैं वे देश की दशा और दिशा तय करने वालों से तीखे सवाल भी कर रहे हैं। आखिर देशभक्ति और देशप्रेम की विदेश में अलख जगाने का दम भरने वाले इन खासम-खास लोगों को हुआ क्या है, जो वतन की तरफ पलट कर देखना भी पसंद नहीं कर रहे हैं। आखिर किससे और क्योंकर गलती या गुनाह हुआ, जिसका दर्द हमारे प्यारे हिंदुस्तान को सहना पड़ रहा है। आखिर यह कैसे भुलाया जा सकता है कि जन्मभूमि के लिए सभी समान होते हैं, फिर चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या सम्प्रदाय का ही क्यों न हो। अमीर हो या गरीब, काला हो कि गोरा, कद में ऊंचा हो कि नाटा, खान-पान, रहन-सहन और पहनावा कुछ भी क्यों न हो पहले तो यह भारतीय ही है, जिसे माँ भारती ने अपनी गोद में बड़े लाड़-प्यार से पाला-पोसा है। आज वही लाड़ले विदेश में बसने को मजबूर क्यों हो रहे हैं? या फिर विदेशी कहलाने को स्टेटस-सिंबल बना यहां से क्यों मुंह मोड़ रहे हैं? शिक्षा, स्वास्थ्य और कारोबार के साथ ही रोजगार जैसे सवाल अनगिनत हैं जिसके जवाब आज नहीं तो कल कर्ता-धर्ताओं को देने ही होंगे। आखिरकार लाखों करोड़पतियों का यूं भारत छोड़ देना, देश और समाज के लिए हानिकारक ही माना जाएगा।

इससे पहले कि विदेश जाने और हमेशा के लिए वहीं बस जाने के कारणों पर विचार करें यहां उच्च सदन में प्रस्तुत आंकड़ों पर भी एक नजर दौड़ा लेते हैं। दरअसल राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में भारतीय नागरिकता त्यागने संबंधी एक सवाल के जवाब में जो आंकड़े प्रस्तुत किए हैं वो पहली ही नजर में गंभीर और चिंता में डालने वाले हैं। विदेश मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में 2,06,378 भारतियों ने नागरिकता छोड़ी है। इससे पहले साल 2023 में 2,16,219, 2022 में 2,25,620, साल 2021 में 1,63,370, साल 2020 में 85,256 और साल 2019 में 1,44,017 लोग भारतीय नागरिकता त्याग चुके हैं। इस प्रकार बीते वर्ष में ही 2 लाख से ज्यादा भारतीयों ने अपने वतन की नागरिकता छोड़ विदेश की नागरिकता ले ली है। इससे हटकर पूरी दुनिया में भारत के लाखों लोग ऐसे भी हैं जो पूरी जिंदगी तो विदेश में गुजार देते हैं लेकिन वहां कि नागरिकता नहीं लेते हैं। मतलब साफ है कि ग्रीन कार्डधारी बनकर विदेश में जीवन गुजारना इन्हें पसंद आ जाता है। ऐसे ज्यादातर लोग सिर्फ मजबूरी में या विशेष अभिजन में तकनी के तौर पर देश का रुख करते हैं। जो कमाई के लिए या अन्य कारणों से मजबूरीवश विदेश में रह रहे होते हैं उनके लिए जहर विदेश में रहना किसी सजा से कम नहीं होता है। हमेशा अपनों की कमी और देश की मिट्टी की खुशबू से वंचित होने का दर्द इन्हें सालता रहता है। खुशी का पल हो कि गम का पहाड़ जैसा समय वतन के साथ अपनों की याद दिलाने के लिए काफी होता है। ऐसे समय में वे मजबूरी को कर्तव्य समझ घुटनभरी जिंदगी जीते हैं। इनकी तादाद अन्य से बहुत कम होती हो, ऐसा नहीं है, फिर भी इनकी सुनवाई न तो वहां होती है और न ही यहां।

आज का राशिफल

मेष अगर व्यवहार में आधिक समस्याओं का सामना कर रहे थे तो अब उनसे भी छुटकारा मिलेगा।

वृषभ आज दिन अच्छा रहने वाला है। आपको लाभ के कई अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

मिथुन आज व्यापार में अप्रत्याशित उन्नति प्राप्त हो सकती है, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह जाएगा।

कर्क कामकाज सामान्य गति से चलेगा। कार्यक्षेत्र में आपको जरूरी कार्यों को समय पर पूरा करना होगा।

सिंह व्यवसाय सही ढंग से नहीं चल रहा है, तो अपने कारोबार को लेकर आप थोड़े परेशान रह सकते हैं।

कन्या कामकाज को लेकर ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ सकती है। इसके परिणाम आपको लाभ दिलाने वाले होंगे।

तुला सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र में आपके विरोधियों की संख्या बढ़ सकती है।

वृश्चिक अगर व्यवसाय के क्षेत्र में कोई तनाव चल रहा है, तो उसे अपने ऊपर हावी न होने दें।

धनु दिन उत्तम रहने वाला है। व्यापार के मामले में किसी नए संपर्क से लाभ के अच्छे योग बन रहे हैं।

मकर आपका पूरा साथ देगा। जो लोग क्रय-विक्रय का व्यवसाय करते हैं उन्हें लाभ प्राप्त हो सकता है।

कुंभ अधिकारियों के साथ निकटता होने से आपको लाभ उठाने के कई शुभ अवसर पूरे दिन प्राप्त होंगे।

मीन उन्नति के कई मार्ग खुल सकते हैं। लेकिन आपको इन अवसरों को पहचानना होगा।

विशेष

महाराष्ट्र की राजनीति

महाराष्ट्र की राजनीति में कब क्या हो जाए। किस नेता ने अपने अंदर क्या छिपा कर रखा है। नेता कब क्या करेगा, इसका पता किसी को नहीं चलता है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे,पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की राजनीति की परतें एक-एक करके खुल रही हैं। पर्दे के पीछे क्या चल रहा है। इसका एहसास किसी को नहीं होता है फडणवीस का उद्धव ठाकरे के प्रति प्रेम झलक रहा है। आदित्य ठाकरे फडणवीस से होटल में मुलाकात कर रहे हैं। एकनाथ शिंदे की राजनीति में भूचाल आ गया है महाराष्ट्र की राजनीति में कब क्या होगा। इसको कोई नहीं जानता है। जब हो जाएगा, तब सभी को पता लगेगा।

गिरगिट की तरह रंग बदल रहे

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने पुराने बॉस के बारे में कहा, वह गिरगिट की तरह रंग बदलते हैं।वह रंग बदलने में माहिर हैं। जब एकनाथ शिंदे ने अपना रंग बदला था। वह भाजपा के साथ जाकर उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री की कुर्सी से गिराकर, खुद मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठ गए थे।तब किसने रंग बदला था? उद्धव ठाकरे ने तब एकनाथ शिंदे को गद्दार कहा था।अब कौन रंग बदल रहा है, रंग बदलने की राजनीति महाराष्ट्र में बार-बार देखने को मिलती है। शरद पवार और अजीत पवार चाचा भतीजे हैं। उनमें भी रंग बदलने की होड़ मची रहती है। कोई ना कोई पवार हमेशा सत्ता में बना रहता है। महाराष्ट्र की राजनीति का असर अन्य प्रदेशों में भी देखने को मिलने लगा है।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1886: भारत की पहली महिला विधायक डॉ. एस. मुथुलक्ष्मी रेड्डी का जन्म हुआ. 1898: जर्मन साम्राज्य के संस्थापक और प्रथम चांसलर ओटो वान बिस्मार्क का निधन हुआ. 1912: जापान के शासक मेइजी की मौत हुई. 1948: हंगरी कम्युनिस्टों के दबदबे के कारण राष्ट्रपति जोल्टन टिल्डी को इस्तीफा देना पड़ा. 1966: इंग्लैंड ने जर्मनी को 4- 2 से हराकर विश्व कप फुटबॉल चैंपियन बना. 1971: अपोलो 15 के चालक डेविड स्कॉट और जेम्स इर्विन चांद पर उतरे. 1971: जापान का बोइंग एक लड़ाकू विमान से टकरा गया जिससे 162 यात्री मारे गए, 1997: यरूशलम के बाजार में दो विस्फोटों में 18 व्यक्ति मारे गए तथा 170 अन्य घायल हो गए, 2000: राष्ट्र संघ ने दक्षिणी लेबनान में शांति सैनिकों की चार ठिकानों पर तैनाती की.

दैनिक पंचांग

जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



2025 वर्ष का 211 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास श्रावण पक्ष शुक्ल
तिथि षष्ठी 02.42 बजे रात को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 21.53 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 03.40 बजे रात को समाप्त।
करण कौलव 13.41 बजे तदनन्तर तैतिल 02.42 बजे रात को समाप्त।
चन्द्रायु 05.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18° 30'
सूर्य उत्तरायण
कलि अहर्गण 1872421
जुलियन दिन 2460886.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर
तारीख 04
विशेष कालि



कैसे करें स्ट्रीम सिलेक्शन

हर विद्यार्थी पढ़ाई के बाद अच्छी सैलरी, अच्छा पे-पैकेज चाहता है। मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद उसे अपने सपने पूरे होते दिखाई देते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपकी मैथ्स, कॉमर्स और इकोनॉमिक्स जैसे विषयों में रुचि हो। इसके बाद ही कॉलेज सिलेक्ट करें, क्योंकि भारत में मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट्स की बाढ़-सी आई हुई है। इसलिए कहीं भी एडमिशन से पहले उसकी विश्वसनीयता परख लें कि वह एआईसीटीई (ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन) या यूजीसी (यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन) से मान्यता प्राप्त है या नहीं। फैकल्टी के बारे में फर्स्ट हैंड इंफॉर्मेशन वहां के स्टूडेंट्स से हासिल करें। उनसे इंटर्नशिप और प्लेसमेंट की जानकारी भी लें। आंख मूंदकर सिर्फ कॉलेज की वेबसाइट पर भरोसा न करें।

कैसे करें सिलेक्शन

आम तौर पर 12वीं में विद्यार्थी साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स, जो भी स्ट्रीम सिलेक्ट करते हैं, उससे उनके आगे का करियर तय होता है। इसी आधार पर वे मेडिकल, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस, सीए, सीएस, एमबीए, होटल मैनेजमेंट, फैशन डिजाइनिंग आदि कोर्सेज में दाखिले की तैयारी करते हैं। यहीं स्टूडेंट्स को यह बताना और समझाना जरूरी हो जाता है कि वे किस आधार पर अमुक कोर्स या कॉलेज का चयन करें।

पैशन को पहचानें

आपका पैशन क्या है? आप क्या पढ़ना चाहते हैं? किन विषयों में आपकी रुचि है? इन सब पर ध्यान देते हुए ही करियर का चुनाव करें। पैशन को पहचानने का सही समय 10वीं से 12वीं तक होता है। समय पर निर्णय लेंगे, स्ट्रैटेजी, प्लानिंग के साथ आगे बढ़ेंगे, तो ऑप्शंस की कमी नहीं रहेगी।

दूर करें कंफ्यूजन

कभी भी करियर का फैसला आखिरी समय में न लें। इससे गलतियां होने की आशंका बढ़ जाती है। अगर कंफ्यूजन है, तो अपने टीचर, पैरेंट्स या सीनियर्स से मार्गदर्शन लें। चर्चा करने से समस्याओं का हल निकल आता है।

दोस्तों की नकल नहीं

हर विद्यार्थी की रुचि और क्षमता अलग होती है। किसी को मैथ्स अच्छा लगता है, किसी को पेंटिंग में मजा आता है, तो कोई डांसर बनना चाहता है। लेकिन जरूरी नहीं कि जो दूसरे कर रहे हों, आप भी वैसा ही करें। जबरन इंजीनियरिंग या मेडिकल की तैयारी में वक्त बर्बाद न करें।





सेरिकल्चरिस्ट के तौर पर बनाएं सिल्क इंडस्ट्री में भविष्य

भारत रेशम उत्पादन में दुनिया में दूसरे स्थान पर है और उपभोक्ता के तौर पर पहले. अपेरल इंडस्ट्री की मांगों को पूरा करने के लिए देश में बड़े पैमाने पर कच्चे रेशम के उत्पादन की जरूरत बनी हुई है. हालांकि, भारत के कच्चे रेशम उत्पादन में लगातार वृद्धि देखी गयी है और वर्ष 2017-18 के 31,906 मीट्रिक टन उत्पादन की तुलना में 2023-24 में रेशम उत्पादन 38,913 मीट्रिक टन हो गया. इसके साथ ही सेरीकल्चर के जानकारों के लिए काम करने के मौके भी लगातार बढ़े और यह बेहद डिमांड वाला करियर बन गया. जानें इस कार्यक्षेत्र में मौजूद संभावनाओं के बारे में...

कच्चा रेशम बनाने के लिए रेशम के कीटों का पालन सेरीकल्चर या रेशम कीट पालन कहलाता है. सेरीकल्चर भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. यह केवल रेशम के कीड़ों के पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सिल्क कल्चर से संबंधित अन्य गतिविधियां, जैसे शहतूत रेशम की खेती एवं कच्चे रेशम के कोवा के बाद अपनायी जाने वाली तकनीक भी शामिल है. रेशम ऊंचे दाम में मिलनेवाला, लेकिन कम मात्रा में मौजूद एक उत्पाद है, इसलिए विकासशील देशों में रोजगार सृजन एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लिए लोग इस उद्योग को तरजीह देते हैं. यह कम समय में अधिक आय का एक बेहतरीन जरिया है. भारत में घरेलू रेशम बाजार की अपनी एक सशक्त परंपरा एवं संस्कृति है. शहतूत रेशम का उत्पादन खासतौर पर कर्नाटक, तमिलनाडु, जम्मू एवं कश्मीर एवं पश्चिम बंगाल में होता है, जबिक गैर- शहतूत रेशम का उत्पादन झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा तथा उत्तर-पूर्वी राज्यों में होता है.

कौन होते हैं सेरिकल्चरिस्ट

पौधों की पत्तियों पर रेशम के कीड़ों की खेती और पालन-पोषण से लेकर उनसे कच्चे रेशम के रेशों को निकालने तक, हर कदम में एक सेरिकल्चरिस्ट यानी रेशमविज्ञानी शामिल होता है. एक सेरिकल्चरिस्ट के काम में रेशम के कीड़ों के लिए पालन गृहों का निर्माण और रखरखाव, रेशम के कीड़ों के लिए सही पौधों की किस्म का चयन करना, रेशम के कीड़ों को लार्वा अवस्था से कोकून अवस्था तक उठाना, उपयुक्त कीटनाशकों को लागू करना, रेशम के कीड़ों से कच्चे रेशम के रेशों को निकालना और उनकी कताई करना शामिल है.सेरिकल्चरिस्ट रेशम उत्पादन से संबंधित ऐसे कार्यों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो रेशम के कीड़ों और अन्य संबंधित प्रजातियों के प्रजनन को बढ़ाते हैं, रेशम, मोम और अन्य उत्पादों का उत्पादन करते हैं.

ऐसे बढ़ सकते हैं आगे

बारहवीं के बाद सेरीकल्चर के बैचलर डिग्री प्रोग्राम में प्रवेश ले सकते हैं. इसके लिए आपका साइंस स्ट्रीम (फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी) से होना जरूरी है. इस विषय में बैचलर डिग्री के दो विकल्प हैं- बीएससी (सेरीकल्चर) एवं बीएससी सिल्क टेक्नोलॉजी (सेरीकल्चर). इसके बाद इस विषय में मास्टर डिग्री हासिल करने एवं पीएचडी का विकल्प है. सेंट्रल सिल्क बोर्ड के तहत आनेवाले संस्थान सेंट्रल सेरीकल्चरल रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट से सेरीकल्चर में पीजीडी कोर्स कर सकते हैं.



काम करने के मौके हैं यहां

रेशम उत्पादन को सेरिकल्चरिस्ट ने एक उद्योग में बदल दिया है और अब यह देश की एक प्रमुख नकदी फसल बन गया है. यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं हैं. यह कार्यक्षेत्र सेरिकल्चरिस्ट, सेरीकल्चर रिसर्चर, सेरीकल्चर प्रोफेसर के तौर पर काम करने का मौका देता है.इनके लिए सरकारी संगठनों, प्राइवेट फर्म, एजेंसियों, अकादमिक संस्थानों, शोध संस्थानों में नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं. सेरीकल्चर के पेशेवरों को रोजगार देनेवाले कुछ प्रमुख ऑर्गनाइजेशन हैं- सेंट्रल सेरीकल्चरल रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, बेहरामपुर, पश्चिम बंगाल. सेंट्रल सिल्क बोर्ड, हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट, टेक्सटाइल एवं खादी डिपार्टमेंट, इंडियन सिल्क एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल. सेरीकल्चर की पढ़ाई करने के बाद आप रेशम उत्पादक के तौर पर स्वरोजगार का विकल्प भी अपना सकते हैं.



शानदार करियर विकल्प हो सकता है पर्सनल शॉपर

प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में संतुलन बनाते हुए अगर खुद ही शादी की शॉपिंग करनी पड़े, तो मुश्किल हो जाती है। खासकर जब आप लेटेस्ट फैशन ट्रैंड से पूरी तरह वाकिफ न हों और मन में उलझन हो कि कहीं आप आउटडेटेड न लगें! ऐसे में पर्सनल शॉपर की सेवाएं बड़ी काम आती हैं। जी हां, विदेशों में अक्सर प्रोफेशनल्स, सेलिब्रिटीज आदि पर्सनल शॉपर्स को हायर करते हैं। इधर वेडिंग प्लानर, ग्रूमिंग एक्सपर्ट के बाद अब भारत में पश्चिम का यह ट्रैंड भी लोकप्रिय हो रहा है। यानी जिनके पास समय की कमी है, वे पर्सनल शॉपर्स की सेवा ले सकते हैं। अब अगर आप भी सामान्य के बजाय कोई 'हटकर' और क्रिएटिव जॉब करना चाहते हैं, जिसमें आर्थिक स्थिरता के साथ-साथ मजा भी आए, तो पर्सनल शॉपर एक शानदार विकल्प हो सकता है।

क्लाइंट्स की पसंद अहम

पर्सनल शॉपर को अपने क्लाइंट्स की जरूरत, पसंद-नापसंद, उनकी लाइफस्टाइल और शारीरिक बनावट का ख्याल रखते हुए खरीदारी करनी होती है। साथ ही, एक विश्वास कायम करना होता है कि वे उनकी सलाह को मानें और उनके कहे अनुसार कपड़े या एक्सेसरी खरीदें। उन्हें फैब्रिक, मटेरियल, कट्स और कलर्स की जानकारी भी रखनी होती है। तभी वे लोगों को सही सुझाव दे सकते हैं। जैसे दुल्हन की शॉपिंग के लिए एक निश्चित बजट निर्धारित होता है लेकिन मार्केट में बूटिक, कूटर स्टोर्स, डिजाइनर वेयर्स आदि इतने ऑप्शंस होते हैं कि उन्हें देखते हुए किसी का भी चकरा जाना स्वाभाविक है। ऐसे में एक पर्सनल शॉपर उन्हें सही खरीदारी के बारे में निर्णय लेने में मदद कर सकता है। ब्राइडल शॉपिंग में दुल्हन के अलावा मित्रों और रिश्तेदारों आदि के लिए भी उपहार आदि की शॉपिंग करनी होती है। इसलिए सबकी पसंद की जानकारी रखनी होती है।

क्वॉलिफिकेशन और स्किल्स

इस फील्ड में आने के लिए किसी विशेष एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन की दरकार नहीं होती। हालांकि फैशन डिजाइनिंग, रिटेल मैनेजमेंट, सेल्स एंड मार्केटिंग आदि में एमबीए करने से फायदा होता है। इसके अलावा, आप पर्सनल शॉपिंग में ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स भी कर सकते हैं। एक पर्सनल शॉपर को काम के दौरान पहले क्लाइंट की पृष्ठभूमि के बारे में रिसर्च करनी होती है। वे कौन-सा ब्रांड पसंद करते हैं, उनका बजट कितना है आदि बातों पर गौर करना पड़ता है। इसके लिए वह क्लाइंट के साथ ईमेल, फोन द्वारा या फिर रूबरू संपर्क बनाए रखता है। हां, आपका अच्छा श्रोता होना जरूरी है। आपके पास क्रिएटिव और इनोवेटिव आइडियाज भी होने चाहिए। एक पर्सनल शॉपर को गोल ओरियेंटेड और सेल्फ मोटिवेटेड होना चाहिए। उसमें धैर्य, कम्युनिकेशन, सेल्स, एंटरप्रेन्योर और ऑर्गनाइजेशनल स्किल्स के साथ-साथ लचीलापन और आत्मविश्वास भी भरपूर होना चाहिए।

स्पेशलाइज्ड शॉपिंग

पर्सनल शॉपर्स गिफ्ट, क्लोदिंग, फूड, फर्नीचर, ज्वेलरी, खिलौने आदि किसी भी चीज की शॉपिंग में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। ये बड़े बिजनेस घरानों के लिए डिजाइनर क्लोदिंग, होम फर्नीशिंग्स और दूसरे आइटम्स की शॉपिंग भी करते हैं। इन दिनों कई कंपनियां अपने क्लाइंट्स को गिफ्ट देने के लिए भी पर्सनल शॉपर्स की मदद लेने लगी हैं। वहीं कई वरिष्ठ नागरिक घरेलू सामान की खरीदी के लिए इनकी सहायता ले रहे हैं। इन सबके अलावा, पर्सनल शॉपर्स शादी समारोहों, बेबी शावर (गोद भराई), जन्मदिन पार्टी, वैलेंटाइन डे, त्योहारों आदि के लिए भी शॉपिंग करते हैं।

काम के अवसर

एक आम शख्स जब पर्सनल शॉपर को हायर करने के बारे में सोचता है, तो पहला ख्याल आता है कि उनकी सेवा सिर्फ एलिट क्लास ही ले सकती है। मगर आज भारत में जिस तरह रिटेल मार्केट बढ़ रहा है, लोगों की मानसिकता बदल रही है, क्रय क्षमता बढ़ रही है, ऐसे में बहुत-से वर्किंग प्रोफेशनल्स भी पर्सनल शॉपर्स को हायर करने लगे हैं। इसके अलावा, बड़े कॉर्पोरेट्स और ब्रांडिंग एजेंसीज अवॉर्ड शोज, कॉन्फ्रेंस आदि के लिए इनकी सेवाएं ले रही हैं। वैसे आप चाहें, तो किसी बूटिक, डिपार्टमेंटल स्टोर या शॉपिंग सेंटर में भी काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस शुरू कर सकते हैं। आम तौर पर पर्सनल शॉपर 25,000 रुपए से 1 लाख रुपए महीना कमा सकते हैं।



इन तरीकों से मार सकते हैं इंग्लिश में बाजी

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा केंद्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों में ग्रुप बी व सी के पदों पर भर्ती हेतु हर साल कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल (सीजीएल) एग्जाम आयोजित की जाती है। इस परीक्षा में टियर-1 तथा टियर-2 होता है, जबकि इस वर्ष से इंटरव्यू समाप्त कर दिए गए हैं। टियर-1 में इंग्लिश, क्वॉन्टिटेटिव एप्टिट्यूड, लॉजिकल रीजनिंग तथा जनरल अवेयरनेस के खंड शामिल होते है। वहीं टियर-2 में इंग्लिश लैंग्वेज तथा क्वॉन्टिटेटिव एप्टिट्यूड के सेक्शन होते हैं। जाहिर है, इस परीक्षा में इंग्लिश का खास महत्व है। अगर आपकी इंग्लिश अच्छी है, तो आपको टियर-1 तथा टियर-2 दोनों में ही स्कोर करने में मदद मिलेगी।

क्या होता है इंग्लिश सेक्शन में?

एसएससी सीजीएल परीक्षा में इंग्लिश सेक्शन एलिमेंट्री स्तर का होता है। मगर यहां आपको ग्रामर के नियमों का खास ध्यान रखना होगा क्योंकि इस सेक्शन में अधिकांश प्रश्न काफी चतुराईपूर्वक पूछे जाते हैं।

टियर-1

इसमें कुल 50 प्रश्न पूछे जाते हैं और हर प्रश्न का 1 अंक होता है। इसमें रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन, क्लोज टेस्ट, एरर आइडेंटिफिकेशन, वन वर्ड एक्सप्रेशन, फ्रेज एंड ईडियम्स, सिनॉनिम्स एंड एंटॉनिम्स, फिल इन द ब्लैंक्स, मिसस्पेल्ट वर्ड्स, सेंटेंस इंप्रूवमेंट्स आदि से प्रश्न पूछे जाते हैं।

टियर-2

इस चरण में 1-1 अंक के 200 प्रश्न पूछे जाते हैं। इसमें रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन, क्लोज पैसेज, एरर आइडेंटिफिकेशन, सेंटेंस इंप्रूवमेंट, सिनॉनिम्स एंड एंटॉनिम्स, फिल इन द ब्लैंक्स, एक्टिव एंड पैसिव वॉइस, डायरेक्ट एंड इनडायरेक्ट स्पीच आदि से प्रश्न पूछे जाते हैं। हालांकि ये प्रश्न बेसिक स्तर के लगते हैं लेकिन इन्हें जरा घुमा-फिराकर पूछा जाता है। अगर आप ग्रामर के नियमों के अपवादों तथा स्पेशल रूल्स से परिचित नहीं हैं, तो आपको मुश्किल हो सकती है।

क्यों अहम है इंग्लिश

इंग्लिश लैंग्वेज एसएससी सीजीएल परीक्षा में इसलिए अहम है कि यह भर्ती प्रक्रिया के दोनों चरणों में शामिल है। यह परीक्षार्थियों के लिए इन कारणों से भी उपयोगी है -

कम समय की मांग

यह सेक्शन ज्यादा समय नहीं मांगता क्योंकि यहां या तो आपको उत्तर पता होता है या फिर नहीं पता होता। इसमें आपको कोई जोड़-घटाव नहीं करना होता। इसलिए रीजनिंग या क्वॉन्टिटेटिव एप्टिट्यूड के मुकाबले इस सेक्शन के प्रश्न हल करने में कम समय लगता है।

वेटेज अधिक

टियर-1 में इंग्लिश के 50 प्रश्नों के 50 अंक और टियर-2 में 200 प्रश्नों के 200 अंक होते हैं। इतने अधिक वेटेज के चलते जाहिर है कि अगर आप इस परीक्षा में अधिक से अधिक अंक लाना चाहते हैं, तो इंग्लिश की ओर आपको विशेष ध्यान देना ही होगा।

दूसरों की कमजोरी, आपकी ताकत

बहुत बड़ी संख्या में परीक्षार्थी इंग्लिश से डरते हैं क्योंकि उनके मन में ग्रामर को लेकर कई शंकाएं होती हैं। ऐसे में यदि आपकी इंग्लिश थोड़ी भी बेहतर है, तो आप उनसे बाजी मार सकते हैं। दूसरों की कमजोरी को आप अपनी ताकत बना सकते हैं।

प्रश्नों का दोहराव

इंग्लिश लैंग्वेज कुछ नियमों पर आधारित है और अगर ग्रामर के नियम की दृष्टि से देखा जाए, तो एरर आइडेंटिफिकेशन, सेंटेंस इंप्रूवमेंट आदि के प्रश्नों में दोहराव होता ही है। इसलिए यदि आप पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र पढ़ चुके हैं और ग्रामर के नियमों तथा उनके अपवादों से भली प्रकार परिचित हैं, तो आप इस सेक्शन में आसानी से स्कोर कर सकते हैं।

अधिक अभ्यास की जरूरत नहीं

इस सेक्शन में स्कोर करने के लिए आपको मैथ्स की तरह अभ्यास करने की जरूरत नहीं होती। कारण यह कि यहां स्पीड नहीं, ज्ञान मायने रखता है। यदि आपको भाषा का ज्ञान है, तो आपको बार-बार अभ्यास करने की जरूरत नहीं होती।



जापान के साथ टॉप 3 में भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का टूरिज्म सेक्टर हाल में तेजी से बढ़ा है। द टेलीग्राफ यूके ने 2025 के लिए घूमने-फिरने के सबसे अच्छे देशों की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में भारत ने तीसरा स्थान हासिल किया है।

पहले नंबर पर न्यूजीलैंड और दूसरे पर जापान है। चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) सार्थक आहूजा ने लिंक्डइन पर इसे लेकर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में उन्होंने भारत के हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में तेजी का जिक्र किया है। साथ ही लोगों की बदलती ट्रैवल हैबिट्स के बारे में बताया है। आहूजा के अनुसार, दुनिया में घूमने के लिए सबसे अच्छे शहर केप टाउन, सेविला और सिडनी हैं। होटल की रैंकिंग में भारत के दो होटल भी शामिल हैं।

ओबेरॉय पहले और ताज तीसरे नंबर पर है। भारत का होटल उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। ताज होटल चेन चलाने वाली आईएचसीएल ने जनवरी 2024 से 50 नए होटल खोले हैं। उसकी योजना 2030 तक 350 से 700 होटल तक पहुंचने की है। फ्रांस का एकोर ग्रुप भी इसी समय में अपने होटलों की संख्या को तीन गुना करने की योजना बना रहा है।



प्रति व्यक्ति जीडीपी बढ़ने का असर

भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 3,000 डॉलर को पार कर गई है। ऐसे में लोकल ट्रैवल की मांग बढ़ रही है। भारत में अभी लगभग 2,00,000 ब्रांडेड होटल रूम्स हैं। यह संख्या यूएई के बराबर है, जिसकी आबादी भारत की आबादी का 1 प्रतिशत से भी कम है।

आहूजा के अनुसार, यह एयर बीएनबी या बुटीक होटल चलाने वालों के लिए अच्छा समय है। कारण है कि अमीर लोग साल में एक बार विदेश यात्रा करते हैं। वे उसी साल में कम से कम 3 छोटी घरेलू यात्राएं भी करते हैं। डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए सिलीगुड़ी एक पॉपुलर डेस्टिनेशन बन रहा है। आहूजा ने बताया कि वह सिलीगुड़ी गए थे। उन्होंने देखा कि वहां बड़े होटल चेन खुल रहे हैं। यह बिहार और बंगाल के लोगों के लिए डेस्टिनेशन वेडिंग का ठिकाना बन गया है। मेफेयर पहले से ही वहां है। ताज, आईटीसी, हयात जैसे होटल भी खुलने की योजना है।

केईसी इंटरनेशनल को मिला 1,509 करोड़ का बड़ा ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। केईसी इंटरनेशनल के शेयरों में बुधवार, 30 जुलाई को तेजी आई, जब कंपनी ने घोषणा की कि उसे 1,509 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर मिले हैं। कंपनी के शेयर इंट्रा डे में 0.7



प्रतिशत की बढ़त के साथ 866.65 रुपये कारोबार कर रहे थे। हालांकि, इस साल अब तक शेयर में लगभग 28 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। बता दें कि केईसी इंटरनेशनल ने 1,509 करोड़ रुपये के नए ठेके मिलने की बुधवार को जानकारी दी।

क्या है डिटेल

केबल्स एवं कंडक्टर व्यवसाय को भारत और विदेशी बाजार में विभिन्न प्रकार के केबल और कंडक्टर की आपूर्ति का ठेका मिला है। केईसी इंटरनेशनल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विमल केजरीवाल ने कहा, ''हमारे परिवहन व्यवसाय ने प्रतिष्ठित टीसीएएस खंड (कवच) में अपनी ऑर्डर बुक को और मजबूत किया है। हमें एक और ठेका मिला है जिसका उद्देश्य विश्व स्तरीय प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारतीय रेलवे की सुरक्षा को बढ़ाना है। इन ठेकों के साथ चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अभी तक हमें 7,000 करोड़ रुपये से अधिक के ठेके मिल चुके हैं।''

अब हर प्रॉपर्टी डील पर रहेगी आयकर विभाग की पैनी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। नए पंजीकरण विधेयक-2025 के तहत हर संपत्ति लेनदेन के लिए ओटीपी-आधारित सत्यापन अनिवार्य होगा, जिससे आयकर विभाग को हर छोटी-बड़ी खरीद की डिजिटल जानकारी मिल सकेगी। यह बदलाव बेनामी संपत्तियों पर अंकुश लगाने और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।

कैसे काम करेगी नई व्यवस्था

1. पैन और आधार का दोहरा सत्यापन- संपत्ति खरीदार और विक्रेता के पैन कार्ड को ओटीपी के जरिए सत्यापित किया जाएगा। आधार नंबर का सत्यापन किया जाएगा।

अंतिम मंजूरी- सब-रजिस्ट्रार अपने अधिकृत मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी से लेनदेन को अंतिम मंजूरी देगा। सत्यापन के बाद डिजिटल कॉपी सीधे आयकर विभाग को भेजी जाएगी।

2. आयकर विभाग की निगरानी- एआई सिस्टम खरीदार की पिछले 5-6 साल की आय और संपत्तियों का विश्लेषण करेगा। यदि कोई आय से अधिक मूल्य की संपत्ति खरीदता है, तो ऑटोमेटिक नोटिस जारी होगा। इससे संदिग्ध लेनदेन पकड़ना आसान होगा।

यूपी ने शुरू की डिजिटल पहल, अब देशभर में संपत्ति रजिस्ट्री होगी पारदर्शी

उत्तर प्रदेश पहले ही पैन-आधार सत्यापन प्रणाली लागू कर चुका है। पिछले सप्ताह से आयकर विभाग को यहां के सभी बैनामों की डिजिटल कॉपियां मिल रही हैं। नए कानून के बाद अन्य राज्यों को भी यह व्यवस्था लागू करनी होगी।

दान या गिफ्ट में दी गई संपत्ति पर भी रहेगी कड़ी नजर- नई प्रणाली दान या गिफ्ट में दी गई संपत्तियों को भी ट्रैक करेगी। जांच में पाया गया है कि कई मामलों में लोग पहले किसी अन्य के नाम पर संपत्ति खरीदते हैं और बाद में उसे दान के रूप में अपने नाम ट्रांसफर कर लेते हैं। इस गैर-कानूनी प्रथा पर रोक लगेगी।

भारतीय आभूषण बाजार में नया मोड़ ला सकते हैं 9 कैरेट वाले सोने के गहने

ज्वेलर्स के लिए नई संभावनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ज्वेलर्स एसोसिएशन (एफएआईजेए) ने 9 कैरेट सोने को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की अनिवार्य हॉलमार्किंग प्रणाली में शामिल किए जाने के निर्णय को उपभोक्ता हित में सार्थक और दूरदर्शी कदम बताया है। यह कदम देश के आभूषण बाजार में एक नई



गहमागहमी को जन्म देगा। इंडियन ज्वेलर्स फोरम, गोल्ड ज्वेलर्स ट्रेड एसोसिएशन का कहना है 24 और 22 कैरेट सोने की आसमान छूती कीमतों के बीच यह निर्णय आम उपभोक्ता को किफायती विकल्प उपलब्ध कराएगा। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और नकली या मिश्रित धातु वाले गहनों पर रोक लगेगी।

ग्राहकों के लिए क्या बदलेगा

बीआईएस के अनुसार, ग्राहकों को अब कम कीमत में हॉलमार्क युक्त गहनों का विकल्प मिलेगा। यह बाजार में नकली या निम्न-गुणवत्ता के आभूषणों की संख्या में कमी लाएगा। साथ ही, खुले बाजार में गैर-कानूनी गहनों की बिक्री पर रोक लगाएगा।

ज्वेलर्स के लिए नई संभावनाएं- दिल्ली के प्रमुख ज्वेलर और डिजाइनर भावेश अग्रवाल बताते हैं, अब हम 9 कैरेट में हल्के डिजाइन और वॉल्यूम-आधारित कलेक्शन पर काम कर सकते हैं। ई-कॉमर्स मंचों पर भी लो-कॉस्ट हॉलमार्क गहनों का ट्रेंड बढ़ेगा, जिससे पूरे क्षेत्र को नई गतिशीलता मिलेगी।

तेजी से बढ़ रहे नएजमाने के उद्योग

चालू वित्त वर्ष में 11.3 फीसदी तक वेतन बढ़ाएंगी कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू कंपनियां चालू वित्त वर्ष में 6.2 फीसदी से 11.3 फीसदी तक औसत वेतन वृद्धि कर सकती हैं। कुछ स्तरों पर यह वृद्धि 13.8 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद है। टीमलीज सर्विसेज की रिपोर्ट के मुताबिक, कॉरपोरेट्स कौशल प्रमाणन और प्रोत्साहन आधारित सहभागिता पर ध्यान केंद्रित कर कार्यबल रणनीतियों को नया स्वरूप दे रहे हैं। 23 उद्योगों और 20 शहरों के 1,308 व्यवसायों से बातचीत पर आधारित



रिपोर्ट के मुताबिक, 11.3 फीसदी तक अनुमानित वेतन वृद्धि देश के रोजगार और वेतन परिदृश्य में बदलाव का संकेत देती है। नए जमाने के उद्योग तेजी से बढ़ रहे हैं इसलिए, मांग उन भूमिकाओं की ओर बढ़ रही है, जिनमें तकनीकी क्षमता के साथ तत्काल व्यावसायिक प्रभाव भी शामिल हो। रिपोर्ट में कहा गया है कि इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और इससे जुड़े बुनियादी ढांचा क्षेत्र में सबसे अधिक 11.3 फीसदी वेतन बढ़ने की उम्मीद है। उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के क्षेत्र में 10.7 फीसदी, खुदरा में 10.7 फीसदी और एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों) में 10.4 फीसदी वेतन बढ़ सकता है। उद्योगों में सर्वाधिक वेतन वृद्धि ईवी और इससे जुड़े बुनियादी ढांचे में इलेक्ट्रिकल डिजाइन इंजीनियर की होगी।

कंपनी का कदम बड़ी रणनीति का हिस्सा

मुंबई। टीसीएस ने इस कदम को अपनी बड़ी रणनीति का हिस्सा बताया है। कंपनी का कहना है कि वह खुद को एक भविष्य के लिए तैयार संगठन बनाना चाहती है। इसके लिए वह टेक्नोलॉजी में निवेश, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देना, नए बाजारों में पैठ बनाना और अपने कामगारों (वर्कफोर्स) को रिअलाइनमेंट करना चाहती है।

कंपनी ने कहा कि वह लोगों को नए कौशल सिखाने और दूसरे विभागों में लगाने की कोशिशें कर रही थी, लेकिन कुछ लोगों को कंपनी में नया रोल देना संभव नहीं हो पा रहा, इसलिए उन्हें जाना पड़ रहा है।

सीईओ की सैलरी पर सवाल-कटौती के बीच 4.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी- जबकि हजारों कर्मचारी अपनी नौकरी गंवा रहे हैं और बाकियों की सैलरी बढ़नी रुक गई है, अष्टस के सीईओ के. कृतिवासन का सैलरी पैकेज और भी भारी-भरकम हो गया है। कंपनी के सालाना रिपोर्ट (मार्च 2025 को खत्म हुए वित्तीय साल के लिए) के मुताबिक, उनकी कुल कमाई 26.52 करोड़ रुपये रही। यह पिछले साल के मुकाबले 4.6 प्रतिशत ज्यादा है। इस पैकेज में उनका मूल सैलरी (बेस सैलरी) 1.39 करोड़ रुपये, भत्ते और सुविधाएं (पर्क्स) 2.12 करोड़ रुपये और कमीशन के तौर पर 23 करोड़ रुपये शामिल हैं।

बाकी टॉप अधिकारियों की कमाई करोड़ों में- कंपनी के पूर्व मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) एन.जी. सुब्रह्मण्यम को मई 2024 तक (जब तक वे पद पर रहे) 11.55 करोड़ रुपये मिले। इसमें बेस सैलरी 30 लाख रुपये, भत्ते और सुविधाएं 7.24 करोड़ रुपये और कमीशन 4 करोड़ रुपये शामिल थे। अष्टस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को सिर्फ 2.1 लाख रुपये बैठक शुल्क (सिटिंग फी) मिला, कोई कमीशन नहीं मिला। नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रदीप कुमार खोसला और हाने सोरेंसन को हर एक को 2.74 करोड़ रुपये मिले।

टीसीएस कर्मचारियों की छंटनी और सैलरी फ्रीज

पर सीईओ का पैकेज चमका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने एक बड़ा फैसला लिया है। कंपनी ने घोषणा की है कि वह अपने दुनियाभर के कर्मचारियों में से 12,000 से ज्यादा लोगों (यानी कुल कर्मचारियों का लगभग 2 प्रतिशत) की नौकरी जाने वाली है। ये छंटनी ज्यादातर मिडिल और सीनियर लेवल के कर्मचारियों को प्रभावित करेगी। इसके साथ ही, कंपनी ने बचे हुए कर्मचारियों की सैलरी हाइक पर भी रोक लगा दी है। टीसीएस ने कहा है कि जिन कर्मचारियों को निकाला जाएगा, उन्हें उचित मुआवजा, नई नौकरी ढूंढने में मदद (आउटप्लेसमेंट) और काउंसलिंग जैसी सुविधाएं दी जाएंगी।

12वीं में फेल होने की लगा दी हैट्रिक

फिर ऐसी मारी छलांग कि अब करोड़ों का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। शशि कांत त्यागी ने उद्योग जगत में बड़ा मुकाम हासिल किया है। उनकी कहानी आगरा के पास मोहसिनाबाद गांव से शुरू होती है। वह एक किसान परिवार से ताल्लुक रखते हैं। 12वीं कक्षा में तीन बार फेल होने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। न केवल अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की, बल्कि एमबीए भी किया। वह यहीं नहीं रुके। कड़ी मेहनत कर करोड़ों रुपये के हेयर एक्सटेंशन ब्रांड जेमेरिया हेयर और त्यागी एक्सपोर्ट्स की नींव रखी। ये हेयर एक्सटेंशन, विग, टॉपर और पैच जैसे कई हेयर प्रोडक्ट बेचते हैं। आइए, यहां शशि कांत त्यागी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

शशि कांत त्यागी को अपनी पढ़ाई में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। वह 12वीं कक्षा में तीन बार फेल हुए। इसके चलते उन्हें परिवार और रिश्तेदारों से काफी ताने सुनने को मिले। उनके चाचा अक्सर उन्हें चिढ़ाते थे कि वह अपने पिता की तरह किसान ही बनेंगे। इन असफलताओं ने उनका आत्मविश्वास हिला दिया था। हालांकि, उनके अंदर कुछ बड़ा करने की इच्छा बचपन से ही



थी। कक्षा 8 में अपने दोस्त के पीसीओ बूथ पर अपने दोस्त के पिता को ढेर सारे पैसे गिनते देखकर उन्होंने यह ठान लिया था कि वह एक दिन बड़ा व्यापार करेंगे। खूब पैसा कमाएंगे। 12वीं पास करने से पहले ही उन्होंने लहसुन और आलू खरीदकर आगरा की मंडी में बेच एक छोटा सा व्यवसाय शुरू किया। इससे उन्हें 2.5 लाख रुपये का फायदा हुआ।

ऐसे हुई बिजनेस में एंट्री

एमबीए के बाद 2011 में शशि को दिल्ली की एक ट्रेडिंग कंपनी में ऑनलाइन सेल्स एग्जीक्यूटिव के रूप में नौकरी मिली। दो साल के अनुभव के बाद 2013 में 23 साल की उम्र में उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी। फिर त्यागी एक्सपोर्ट्स के नाम से अपना हेयर एक्सटेंशन निर्यात व्यवसाय शुरू किया। उनके पहले बड़े ऑर्डर में से एक अमेरिका से 65,000 डॉलर का था। इसका उन्हें एडवांस पेमेंट मिल गया था। शुरुआत में वह हर महीने 2-3 लाख रुपये कमा रहे थे। लेकिन, क्वालिटी की समस्याओं के कारण उन्होंने अपनी खुद की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करने का फैसला किया। दिसंबर 2013 तक उन्होंने दिल्ली में 15,000 वर्ग फीट में अपनी खुद की यूनिट स्थापित की। इसमें उन्होंने दक्षिण भारतीय मंदिरों से प्राप्त कच्चे मानव बाल का इस्तेमाल करके बल्क हेयर और वेफ्ट हेयर जैसे उत्पाद बनाने शुरू किए। इस यूनिट को स्थापित करने में उन्होंने 10 लाख रुपये का निवेश किया।

रॉकेट की स्पीड से दौड़ रही भारतीय इकॉनमी

ट्रंप के टैरिफ की निकली हवा, चीन भी छूट गया पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान बढ़ा दिया है। उसका कहना है कि 2025 और 2026 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। इससे पहले अप्रैल में आईएमएफ ने अनुमान लगाया था कि भारत की आर्थिक विकास दर 6.2 प्रतिशत और 6.3 प्रतिशत रहेगी। भारत अगले दो साल तक दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। चीन की इकॉनमी के 2025 में 4.8 प्रतिशत और 2026 में 4.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। वहीं अमेरिका की इकॉनमी 2025 में 1.9 प्रतिशत और 2026 में 2.0 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। आईएमएफ का अनुमान है कि अमेरिका में वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट के कारण थोड़ी तेजी देखने को मिल सकती है। आईएमएफ ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक का अपडेट जारी किया है। इसमें कहा गया है कि 2025 और 2026 में भारत की विकास दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह अनुमान पहले से थोड़ा बेहतर है। इसकी वजह यह है कि बाहरी माहौल पहले की तुलना में बेहतर



है। आईएमफ ने अप्रैल में जो अनुमान लगाया था, उससे अब स्थिति थोड़ी अलग है। उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में भारत, चीन और इंडोनेशिया अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। आईएमएफ का कहना है कि भारत को बाहरी स्थिरता से फायदा हो रहा है। भारत के लिए अनुमान कैलेंडर वर्ष पर आधारित हैं। आईएमएफ का कहना है कि वित्तीय वर्ष के आंकड़ों के आधार पर 2025 के लिए भारत की विकास दर 6.7 प्रतिशत और 2026 के लिए 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

ग्लोबल इकॉनमी

आईएमएफ ने ग्लोबल ग्रोथ रेट का अनुमान भी थोड़ा बढ़ाया है। अब आईएमएफ का मानना है कि 2025 में वैश्विक अर्थव्यवस्था 3.0 प्रतिशत और 2026 में 3.1 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। आईएमएफ का कहना है कि टैरिफ का असर जितना सोचा गया था, उससे कम रहा है। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर कमजोर हुआ है और वित्तीय स्थितियां बेहतर हुई हैं। इसलिए वैश्विक विकास दर का अनुमान बढ़ाया गया है।

क्या है खतरा

हालांकि आईएमएफ ने चेतावनी दी है कि अभी भी खतरा बना हुआ है। उसका कहना है कि अगर टैरिफ की दरें फिर से बढ़ जाती हैं, तो विकास दर कमजोर हो सकती है। इसके अलावा अगर अनिश्चितता बढ़ती है, तो इसका असर आर्थिक गतिविधियों पर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि अतिरिक्त टैरिफ लगाने की समय सीमा बिना किसी समझौते के खत्म हो रही है। आईएमएफ का अनुमान है कि 2025 में वैश्विक महंगाई दर 4.2 प्रतिशत और 2026 में 3.6 प्रतिशत रहेगी। हालांकि, अलग-अलग देशों में महंगाई दर अलग-अलग होगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका में महंगाई दर लक्ष्य से ऊपर रहेगी, जबकि अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में यह कम रहेगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2025 के लिए वैश्विक व्यापार की मात्रा में 0.9 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है, जबकि 2026 के लिए इसमें 0.6 प्रतिशत की कमी का अनुमान है। इससे पता चलता है कि टैरिफ बढ़ने की आशंका में जो फायदा हुआ था, वह धीरे-धीरे कम हो सकता है।

25 साल में पहला बोनस शेयर बांटने की तैयारी

1 पर 2 फ्री शेयर दे सकती है कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया के शेयर बुधवार को बाजार खुलते ही रॉकेट बन गए हैं। कंपनी के शेयर 5 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 9450 रुपये पर जा पहुंचे हैं। सिगरेट एंड टोबैको प्रॉडक्ट्स इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर का तोहफा देने की तैयारी में है। कंपनी 2:1 के रेशियो में बोनस शेयर बांट सकती है। यानी, कंपनी हर 1 शेयर पर 2 फ्री शेयर दे सकती है। पिछले 25 साल में यह कंपनी का पहला बोनस शेयर होगा। गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया ने 1 जनवरी 2000 से अपने निवेशकों को कोई बोनस शेयर नहीं दिया है। गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया के शेयर पिछले 6 महीने में 110 पर्सेंट उछल गए हैं।



हर 1 शेयर पर 2 फ्री शेयर बांट सकती है कंपनी- सिगरेट कंपनी गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया ने स्टॉक एक्सचेंजों को बताया है कि उसके बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की सोमवार 4 अगस्त 2025 को मीटिंग होनी है। इस बैठक में कंपनी का बोर्ड बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव पर विचार कर सकता है। गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया का बोर्ड अगर प्रस्ताव को मंजूरी देता है तो कंपनी 2:1 के रेशियो में बोनस शेयर जारी कर सकती है। यानी, कंपनी हर 1 शेयर पर 2 फ्री शेयर बांट सकती है। बोनस शेयर के प्रस्ताव के अलावा गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया का बोर्ड 4 अगस्त को होने वाली मीटिंग में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के अनऑडिटेड स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड वित्तीय नतीजों पर विचार और उसे मंजूरी देगा।

देश पहले, बिजनेस बाद में

स्पॉन्सर ने भारत-पाकिस्तान डब्ल्यूसीएल सेमीफाइनल से नाम वापस लिया



नई दिल्ली । वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में इंडिया चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच सेमीफाइनल मैच 31 जुलाई को खेला जाना है, लेकिन मुकाबले पर सवालिया निशान है। टूर्नामेंट के टॉप स्पॉन्सर ने घोषणा की है कि वह डब्ल्यूसीएल में भारत-पाकिस्तान मैच से नहीं जुड़ेगा। डब्ल्यूसीएल के मेन स्पॉन्सर में से एक इजीमायट्रिप ने भारत-पाकिस्तान के बीच डब्ल्यूसीएल में खेले जाने वाले सेमीफाइनल मैच से नाम वापस ले लिया है। कंपनी ने अपनी इस नीति को दोहराया है कि वह पाकिस्तान से जुड़े किसी भी मैच में हिस्सा नहीं लेती।

ट्रैवल-टेक कंपनी के सह-संस्थापक निशांत पिट्टी ने एक्स पोस्ट पर लिखा, हम टीम इंडिया चैंपियंस की वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में शानदार प्रदर्शन के लिए सराहना करते हैं। आपने देश को गौरवान्वित किया है। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ आगामी सेमीफाइनल कोई साधारण मैच नहीं है। आतंकवाद और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकते। हम भारत के साथ खड़े हैं। हम ऐसे किसी भी आयोजन का समर्थन नहीं कर सकते, जो आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश के साथ संबंध सामान्य करने की कोशिश करता हो। उन्होंने आगे लिखा, भारत के लोगों ने अपनी बात रखी है और हम उनकी बात सुन रहे हैं। इजीमायट्रिप, डब्ल्यूसीएल में भारत-पाकिस्तान मैच से नहीं जुड़ेगा। कुछ चीजें खेल से बड़ी होती हैं। देश पहले, बिजनेस बाद में।

इससे पहले, भारतीय खिलाड़ियों और एक प्रमुख टूर्नामेंट स्पॉन्सर के कड़े विरोध के बाद, भारत-पाकिस्तान की टीमों के बीच लीग चरण का मुकाबला आधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया गया था। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए, जिसने दोनों देशों के बीच सैन्य तनाव बढ़ा दिया।

इजीमायट्रिप की ओर से जारी बयान में कहा गया, हालांकि इजीमायट्रिप ने डब्ल्यूसीएल के साथ 5 साल का स्पॉन्सरशिप एग्रीमेंट किया है, लेकिन हमारा रुख हमेशा से स्पष्ट रहा है। हम पाकिस्तान से जुड़े किसी भी डब्ल्यूसीएल मुकाबले में न तो हिस्सा लेंगे और न ही उससे जुड़ा रहेंगे। हम गर्व के साथ इंडिया चैंपियंस टीम का समर्थन जारी रखेंगे, लेकिन किसी भी ऐसे मैच का समर्थन या प्रचार नहीं करेंगे, जिसमें पाकिस्तान शामिल हो। यह स्थिति डब्ल्यूसीएल टीम को शुरू से ही स्पष्ट रूप से बता दी गई थी। हमेशा देश पहले है।

सीएएफए नेशंस कप खेलेगी भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम



नई दिल्ली, एजेंसी। एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर्स के फाइनल राउंड की तैयारी के तहत भारत की सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन (सीएएफए) नेशंस कप 2025 में हिस्सा लेगी। यह टूर्नामेंट 31 अगस्त से 8 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन ने भारत को इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है। दरअसल, यह टूर्नामेंट फीफा के आधिकारिक कैलेंडर से बाहर है और मलेशिया ने लॉजिस्टिक्स संबंधी चुनौतियों और खिलाड़ियों की अनुपलब्धता के चलते इसमें हिस्सा लेने से इनकार कर दिया, जिसके बाद भारत को आमंत्रित किया गया। भारत को उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान की तरफ से संयुक्त रूप से आयोजित द्विवार्षिक सेंट्रल एशियन टूर्नामेंट में शामिल किया गया। उसे ग्रुप-बी में रखा गया है, जो दुशांबे में खेला जाएगा। भारत 29 अगस्त को मेजबान ताजिकिस्तान, 1 सितंबर को ईरान और 4 सितंबर को अफगानिस्तान से खेलेगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें प्ले-ऑफ चरण में पहुंचेंगी, जहां 8 सितंबर को दो मैच खेले जाएंगे। तीसरे स्थान का मैच दो ग्रुप उपविजेताओं के बीच दुशांबे में खेला जाएगा, जबकि दो ग्रुप विजेता टीमें ताशकंद में फाइनल खेलेंगी। उज्बेकिस्तान ग्रुप-ए की मेजबानी करेगा, जिसे ताशकंद में किर्गिज गणराज्य, तुर्कमेनिस्तान और ओमान के साथ रखा गया है। सीएएफए के छह सदस्य हैं: अफगानिस्तान, इस्लामी गणराज्य ईरान, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान। ओमान और भारत सीएएफए नेशंस कप के दूसरे संस्करण के लिए आमंत्रित दो टीमें हैं। ईरान गत विजेता है, जिसने 2023 के फाइनल में उज्बेकिस्तान को 1-0 से शिकस्त दी थी। भारत को एएफसी एशियन कप क्वालीफायर्स के फाइनल राउंड के अपने शुरुआती मैच में हांगकांग के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के शेष चार मैच सिंगापुर के खिलाफ (क्रमशः 9 और 14 अक्टूबर), बांग्लादेश के खिलाफ (18 नवंबर) और चीन के खिलाफ (31 मार्च 2026) घरेलू मैदान पर होंगे।

सीएएफए नेशंस कप 2025 ड्रॉः

ग्रुप-एः उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और ओमान।

ग्रुप-बीः ताजिकिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और भारत।

भारत के मुकाबलेः

29 अगस्त- भारत बनाम ताजिकिस्तान।
1 सितंबर- भारत बनाम ईरान।
4 सितंबर- भारत बनाम अफगानिस्तान।

अभिषेक शर्मा साथी ओपनर को पीछे छोड़ बने नंबर-1 बल्लेबाज

टेस्ट रैंकिंग में ऋषभ पंत को फायदा,यशस्वी को नुकसान



नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार (30 जुलाई) को मेंस क्रिकेट की अपडेटेड रैंकिंग जारी की। टी20 रैंकिंग में अभिषेक शर्मा नंबर-1 बल्लेबाज बन गए। उन्होंने ट्रेविस हेड को पीछे छोड़ा। दोनों इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए ओपनिंग करते हैं। अभिषेक शर्मा टी20 रैंकिंग में नंबर-1 बल्लेबाज बनने वाले भारत के तीसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव नंबर-1 बल्लेबाज बने थे।

मकाऊ ओपन बेडमिंटनः

आयुष शेट्टी मकाऊ ओपन के क्वार्टर फाइनल में, ध्रुव-तनिषा भी अगले दौर में पहुंचे



मकाऊ, एजेंसी। विश्व के 31वें नंबर के खिलाड़ी शेट्टी ने 66वीं रैंकिंग वाले हुआंग को केवल 31 मिनट में 21-10, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

भारत के युवा खिलाड़ी सातवें वरीय आयुष शेट्टी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए बुधवार को यहां चीनी ताइपे के हुआंग यू काई को सीधे गेम में हराकर मकाऊ ओपन बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व के 31वें नंबर के खिलाड़ी शेट्टी ने 66वीं रैंकिंग वाले हुआंग को केवल 31 मिनट में 21-10, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। मिश्रित युगल में विश्व में 18वें स्थान पर काबिज और यहां पांचवीं वरीयता प्राप्त ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की जोड़ी भी आगे बढ़ने में सफल रही। इस भारतीय जोड़ी ने थाईलैंड के रत्चपोल मक्कासितोर्न और नट्टामोन लाइसुआन को 26 मिनट तक चले मुकाबले में 21-10, 21-15 से हराया।

पुरुष एकल में सतीश कुमार करुणाकरण का सफर समाप्त हो गया। उन्हें प्री-क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के जस्टिन होह से 37 मिनट में 19-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा। मिश्रित युगल में रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गाडे की 34वीं रैंकिंग की जोड़ी चीनी ताइपे के वू गुआन झुन और ली चिया सिन से 37 मिनट तक चले मुकाबले में 20-22, 17-21 से हार गई।

एशिया कप फुटबॉलः

भारत महिला एशियाई कप के ग्रुप सी में, जापान-वियतनाम और चीनी ताइपे अन्य टीमें

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान ने 2011 में महिला विश्व कप जीता था। वह अभी विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर है जो एशियाई टीमों में सर्वश्रेष्ठ है। वियतनाम की विश्व रैंकिंग 37 जबकि चीनी ताइपे की 42 है। भारत वर्तमान में विश्व में 70वें स्थान पर है। भारत को अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप सी में जापान, पूर्व चैंपियन चीनी ताइपे और वियतनाम के साथ रखा गया है। एक से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाले 12 टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ मंगलवार को सिडनी टाउन हॉल में आयोजित किये गए, जिसमें भारतीय मिडफील्डर संगीता बासफोर तीन ड्रॉ सहायकों में से एक थीं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 12 टीमों को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत चार मार्च, 2026 को पर्थ रेक्टेंगुलर स्टेडियम में वियतनाम के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद भारत सात मार्च को इसी मैदान पर जापान से और फिर 10 मार्च को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में चीनी ताइपे से भिड़ेगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाएंगी। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीम को ब्राजील में 2027 में होने वाले महिला विश्व कप में जगह मिलेगी, जबकि क्वार्टर फ़ाइनल में हारने वाली टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी, जहां इस वैश्विक प्रतियोगिता में जगह बनाने के लिए दो और स्थान दांव पर होंगे।



जापान ने 2011 में महिला विश्व कप जीता था। वह अभी विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर है जो एशियाई टीमों में सर्वश्रेष्ठ है। वियतनाम की विश्व रैंकिंग 37 जबकि चीनी ताइपे की 42 है। भारत वर्तमान में विश्व में 70वें स्थान पर है और इस तरह से वह ग्रुप में सबसे कम रैंकिंग वाली टीम है। भारत के मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) की विज्ञप्ति में कहा, मुझे लगता है कि हमारा ग्रुप काफी दिलचस्प है, लेकिन साथ ही काफी पेचीदा भी है। जापान एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। वियतनाम और चीनी ताइपे अच्छी टीमें हैं। हम उनके साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं तथा अनुकूल परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं। उन्होंने कहा, अब जबकि हम अपने प्रतिद्वंद्वियों को जानते हैं, तो हमें अपने मैत्री मैचों का चयन सोच-समझकर करना होगा और अच्छी तैयारी करनी होगी। एक इकाई के रूप में एकजुट रहना और अभ्यास शिविरों में कड़ी मेहनत करना, हमें एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों का सामना करने और विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के लिए तैयार होने में काफ़ी मददगार साबित होगा। ग्रुप ए में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के साथ कोरिया गणराज्य, ईरान और फिलीपींस शामिल हैं। ग्रुप बी में उत्तर कोरिया, चीन, बांग्लादेश और उज़्बेकिस्तान शामिल हैं। चीन गत विजेता है और वह रिकार्ड 10वां खिताब जीतने की कोशिश करेगा।

द. अफ्रीका के खिलाफ

सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की घोषणा



कैनबरा,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20आई और वनडे श्रृंखला के लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रैविस हेड और दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है। ऑलराउंडर मैट शॉर्ट की भी टीम में वापसी हुई है, जबकि आक्रामक बल्लेबाज मिच ओवेन वेस्टइंडीज के खिलाफ कुछ प्रभावशाली प्रदर्शनों के बाद दोनों टीमों में शामिल होने के बाद अपने वनडे पदार्पण की दौड़ में हैं। नियमित वनडे कप्तान पैट कमिंस साल के अंत में व्यस्त घरेलू कार्यक्रम के कारण टीम से बाहर रहेंगे, मिशेल मार्श कार्यवाहक वनडे कप्तान बने रहेंगे जबकि उनके साथी तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को भी इस श्रृंखला से आराम दिया गया है। वेस्टइंडीज श्रृंखला के बाद शॉन एबॉट, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, तनवीर संघा, कूपर कोनोली और आरोन हार्डी उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिनकी टीम से छुट्टी हो गई है। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने संकेत दिया है कि टीम अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए तैयारी जारी रखेगी। बेली ने आईसीसी के हवाले से कहा, जैसे-जैसे हम टी20 विश्व कप की ओर बढ़ रहे हैं, वेस्टइंडीज में दिखाई गई लचीलापन और गहराई, स्पष्ट परिणामों के अलावा, एक बहुत बड़ी सकारात्मक बात रही है। बल्लेबाजी क्रम में लचीलापन और गेंदबाजों की पारी के विभिन्न चरणों में गेंदबाजी करने की क्षमता विशेष रूप से देखने लायक थी।

कैनेडियन ओपनः

गॉफ ने कोलिन्स को हराया, इतो ने पाओलिनी को शिकस्त दी

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। टॉप सीड कोको गॉफ ने कैनेडियन ओपन में डेनिएल कोलिन्स के खिलाफ लगभग तीन घंटे चले कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। इसी के साथ उन्होंने जून में रोलां गैरो जीतने के बाद पहला मैच अपने नाम किया। गॉफ तीसरे सेट में हार से सिर्फ दो अंक दूर थीं, लेकिन उन्होंने पासा पलटते हुए आखिरकार 7-5, 4-6, 7-6(2) से जीत दर्ज की। कोलिन्स ने आखिरी 80 मिनटों में पिछड़ने के बाद वापसी की, लेकिन वह कभी भी मैच प्वाइंट तक नहीं पहुंच सकीं और अंतिम 11 में से 9 अंक गंवा बैठीं। यह मुकाबला आईजीए स्टेडियम में खेला गया।

मुकाबला जीतने के बाद कोको गॉफ ने कहा, मैं अच्छी प्रैक्टिस कर रही थी, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इस मैच में उस तैयारी के अनुरूप खेल सकी। उम्मीद है कि मैंने टूर्नामेंट का अपना खराब मैच जीत लिया है। डेनिएल शानदार बॉल स्ट्राइकर हैं। मैंने जितनी बार उनकी सर्विस ब्रेक की, उससे मुझे कुछ सकारात्मक बातें सीखने को मिलेंगी। अब गॉफ का अगला मुकाबला पूर्व टॉप-10 खिलाड़ी वेरोनिका कुदरमेतोवा से होगा। पूर्व वर्ल्ड नंबर 9 कुदरमेतोवा ने दूसरे राउंड में नंबर 29 सीड ओल्गा डानिलोविच को 6-4, 6-2 से हराया था। दूसरी ओर, आओई इतो ने सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए 7वीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी को 2 घंटे 27 मिनट में 2-6, 7-5, 7-6(5) से हरा दिया। दुनिया की 110वें नंबर की खिलाड़ी एक सेट और 4-1 से पिछड़ रही थीं। दूसरे सेट में 5-4 से पिछड़ने के बाद उन्होंने एक मैच प्वाइंट बचाया। इतो अब तीसरे दौर में जेसिका बूजास मानेरो से भिड़ेंगी।

आओई इतो ने 2025 की शुरुआत में कैनबरा में अपना पहला डब्ल्यूटीए 125 खिताब जीता और मई में शीर्ष 100 में जगह बनाई। हालांकि, सीजन में उन्होंने इस



हफ्ते केटी वोलिनेट्स पर पहले दौर की जीत तक कोई टूर-स्तरीय मैच नहीं जीता था। यह डब्ल्यूटीए 1000 मेन ड्रॉ में उनकी पहली जीत भी थी। इससे पहले, बियांका एंड्रेस्कू अपने घरेलू डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट में बाएं टखने की चोट के कारण दूसरे दौर के मैच से हट गई। उनकी प्रतिद्वंद्वी, चौथी वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा, वॉकओवर के जरिए तीसरे दौर में पहुंच गई।

भारत बनाम इंग्लैंडः

अगर पांचवां टेस्ट नहीं खेले जसप्रीत बुमराह, तो कुछ ऐसी हो सकती है प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली, एजेंसी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट में नहीं खेलेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम ने वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए उन्हें इस मैच में नहीं खेलने की सलाह दी है। बुमराह ने इस सीरीज में अब तक तीन मैचों में 14 विकेट लिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पांच मुकाबलों की सीरीज में भारत के 1-2 से पिछड़ने के बावजूद, टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं ने मूल योजना के अनुसार ही आगे बढ़ने का फैसला किया है। सीरीज से पहले ही स्पष्ट कर दिया गया था कि बुमराह पांच में से सिर्फ तीन ही टेस्ट खेलेंगे। बुमराह ने हेडिंग्ले में पहला टेस्ट खेला, लेकिन एजबेस्टन में दूसरा टेस्ट नहीं खेले। इसके बाद लॉर्ड्स और ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए मुकाबले में बुमराह मैदान पर उतरे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बुमराह को बताया कि उन्हें इस सुझाव पर विचार करना चाहिए, क्योंकि यह उनकी पीठ की सुरक्षा और दीर्घकालिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए है। बुमराह इस सीरीज में धीमी और सपाट पिचों पर गेंदबाजी के लिए मजबूर हुए, जिससे उनका वर्कलोड बढ़ गया। चौथे टेस्ट में उन्होंने 33 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 112 रन देकर दो विकेट लिए। बीसीसीआई की मेडिकल टीम का मानना है कि उन्हें आराम देने से लंबे समय में फायदा होगा। अगर जसप्रीत बुमराह निर्णायक टेस्ट में नहीं उतरते, तो मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाजी को लीड



करते नजर आ सकते हैं। जसप्रीत बुमराह के स्थान पर अर्शदीप सिंह को टेस्ट में डेब्यू का मौका मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अर्शदीप हाथ की चोट से उबर गए हैं। अगर आकाश दीप फिट रहे, तो इस जोड़ी का साथ दे सकते हैं।

ऋषभ पंत चोटिल होने के बाद सीरीज के अंतिम मैच से बाहर हो चुके हैं। उनके स्थान पर भले ही एन जगदीशन को टीम में शामिल किया गया, लेकिन अंतिम एकादश में दाएं हाथ के विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल नजर आ सकते हैं। दूसरी ओर, अंशुल कंबोज और शार्दुल ठाकुर को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा जा सकता है। कुलदीप यादव भी प्रैक्टिस सेशन में जमकर पसीना बहाते नजर आए हैं। तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर के स्थान पर इस स्पिनर को मौका दिया जा सकता है।

पांचवें टेस्ट के लिए भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन को देखा जाए, तो यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल बतौर सलामी बल्लेबाज नजर आएंगे, जबकि साई सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजी को मजबूती देंगे। विकेटकीपिंग का जिम्मा ध्रुव जुरेल के पास हो सकता है। रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर गेंद और बल्ले से अपनी चमक बिखरने में सक्षम हैं। तेज गेंदबाजी का भार आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज के कंधों पर डाला जा सकता है, जबकि कुलदीप यादव को स्पिन विभाग की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

कृति खरबंदा का भावुक खुलासा

शादी में ज़रूर आना मेरे लिए पैसे नहीं, बल्कि जादू का अनुभव था



अभिनेत्री कृति खरबंदा, जो अपनी हर भूमिका को सशक्त बनाने के लिए जानी जाती हैं, ने हाल ही में अपने करियर की एक फिल्म शादी में ज़रूर आना को लेकर एक बेहद भावुक खुलासा किया है। राणा नायडू सीज़न 2 में अपनी दमदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीतने वाली कृति ने बताया कि यह फिल्म आज भी उनके दिल के सबसे करीब क्यों है - इसका कारण न तो शोहरत थी, न ही मिली हुई फीस, बल्कि उस टीमवर्क और जुनून का जादू था जो इस फिल्म का हिस्सा था। एक दिल छू लेने वाली बातचीत में कृति ने साझा किया, मुझे ऐसे लोगों के साथ काम करना पसंद है जो टीमवर्क में विश्वास रखते हैं। मुझे पहली बार ऐसा अनुभव शादी में ज़रूर आना के दौरान मिला था। जब उनसे पूछा गया कि यह फिल्म उनकी पसंदीदा क्यों है, तो उन्होंने बताया, इसका कारण ये है कि इस फिल्म में मैंने सबसे ज्यादा मेहनत की और मुझे पूरे करियर में सबसे कम फीस मिली। लेकिन मैंने कभी पैसों को लेकर बहस नहीं की, क्योंकि मैं ये फिल्म दिल से करना चाहती थी। कृति ने आगे बताया कि कैसे महज एक सीन के ऑडिशन ने उन्हें इस फिल्म से भावनात्मक रूप से जोड़ दिया था। उन्होंने कहा, जब मैंने शादी में ज़रूर आना का ऑडिशन दिया, तब मैंने सिर्फ एक सीन परफॉर्म किया, और वही एक सीन मेरे दिल से जुड़ गया। ये फिल्म टीम वर्क का जादू थी, और हर एक इंसान इसका क्रेडिट डिज़र्व करता है। मैं आज भी उस एनर्जी को सेट पर फिर से महसूस करने का इंतज़ार कर रही हूं। कृति का यह बयान इस बात की याद दिलाता है कि सच्चा जुनून और कलाकारिता अक्सर आर्थिक लाभ से कहीं बढ़कर होती है। एक कलाकार के लिए असली संतुष्टि तब मिलती है जब वह एक ऐसी टीम का हिस्सा बनता है जो उस कहानी पर पूरी तरह विश्वास रखती है, जिसे वो दुनिया के सामने ला रही होती है। वर्क फ्रंट पर, कृति खरबंदा को हाल ही में लोकप्रिय वेब सीरीज़ राणा नायडू सीजन 2 में आलिया ओबेरॉय के किरदार में देखा गया था, जहाँ उनकी अदाकारी ने काफी प्रशंसा बटोरी।

कान्स हमारी फिल्मों की क्वालिटी का पैमाना नहीं है...

रॉक ऑन, मिडनाइट चिल्ड्रन, फिराक जैसी फिल्में हों या अ सूटेबल बॉय और बॉम्बे बेगम्स जैसी वेब सीरीज, कलाकार शहाना गोस्वामी ने हमेशा अपनी अलग छाप छोड़ी है। बीते साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपनी फिल्म संतोष से धमाल मचाने वाली शहाना इन दिनों इंडियन ऑस्ट्रेलियन रोमांस ड्रामा फोर इयर्स लेटर को लेकर चर्चा में हैं। आप पर्दे पर ज्यादातर सशक्त और कॉम्प्लेक्स किरदारों ही नजर आती है। कभी आपका मन नहीं किया कि वो स्विट्जरलैंड में शिफॉन की साड़ी लहराने वाले रोल भी करूं?

बिल्कुल यार, मैं तो बचपन में शीशे में देखकर यही सब करती थी। सूरज हुआ मध्यम गाने पर स्लो मोशन में अपने बाल झटकना या नाचना..., नाचना तो वैसे भी मेरा शौक है तो ऐसे रोल जरूर करना चाहूंगी। मेरा भी बहुत मन है, मगर लोगों की शायद सोच ऐसी है कि वे मुझे उन कॉम्प्लैक्स स्ट्रॉन्ग लड़कियों के रोल में ही देखते हैं। हालांकि, एक ट्रॉफी हीरोइन, जिसमें सिर्फ नाच गाना हो, वैसा किरदार मुझे शायद पसंद नहीं आएगा, मगर कोई अच्छी कमर्शल फिल्म हो, जैसे रॉकी और रानी की प्रेम कहानी तो मैं जरूर करना चाहूंगी।



बॉम्बे बेगम्स या अ सूटबल बॉय जैसी सीरीज में फ्लॉड किरदार, जो समाज की नजर में गलत/अनैतिक हैं, उन्हें निभाते वक्त क्या अप्रोच रहता है? उनको जजमेंट से कैसे दूर रखती हैं?

कोई भी किरदार निभाते वक्त मेरी एक ही कोशिश होती है कि वो ज्यादा से ज्यादा रियल हो और असल में कोई भी इंसान पूरी तरह ब्लैक या वाइट नहीं होता। दुनिया में कोई भी सिर्फ सही या गलत नहीं होता। हर किसी में खूबियां भी होती हैं, खामियां भी होती हैं। जब आप उन खामियों को दिखाते हैं, स्वीकारते हैं तो आपकी खूबियां और उभरकर सामने आती हैं। इसलिए, अगर मैं इन किरदारों को अपनी नैतिकता या जजमेंट के हिसाब से देखूंगी तो उसे कभी बाखूबी नहीं निभा पाऊंगी। उसे समझने के लिए मुझे जजमेंट हटाना पड़ेगा। उनके हालात, उनकी वजहें समझनी पड़ेंगी। मैं ये नहीं कहती कि आप उसे सही ठहराएं पर उसके प्रति थोड़ी नर्मी दिखानी होगी, क्योंकि हर किसी के हालात, परवरिश, बैकग्राउंड अलग होती है। इसलिए सिनेमा लोगों से जुड़ने और उनको समझने का सबसे बढ़िया माध्यम है। जब आप एक मर्डरर की कहानी देख रहें, तो उसके नजरिए से देखना होगा। सिनेमा का काम ही है कि वो आपको जजमेंट और नैतिकता से दूर लेकर जाए।

आप हमेशा ही लीग से हटकर किरदार चुनती हैं। ऐसे में फोर इयर्स लेटर की श्रीदेवी को चुनने के पीछे क्या वजह रही?

श्रीदेवी आज के जमाने की बहुत ही आधुनिक लड़की है, जिसमें आत्मविश्वास है, उसकी ख्वाहिशें हैं, वह आत्मनिर्भर है, लेकिन अपने समाज, संस्कृति, लोगों की उम्मीदों के चलते एक बंधन महसूस करती है। इसके बावजूद उसमें जिंदगी को लेकर बहुत उत्साह है। वह जिंदगी को एंजॉय करती है। वो दूध की धुली हुई भी नहीं है। वो भी गलतियां करती हैं, लेकिन उसको मानती है। ऐसे में बहुत लेयर्ड किरदार है।

बाघों के होने का मतलब सही सलामत हैं जंगल: रणदीप हुड्डा



अभिनेता रणदीप हुड्डा ने अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के मौके पर सोशल मीडिया पर एक खास संदेश साझा किया। उन्होंने लोगों को बाघों की सुरक्षा और संरक्षण के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि अगर किसी जगह पर बाघ मौजूद हैं, तो इसका मतलब है कि जंगल सही सलामत हैं। रणदीप हुड्डा जंगली जानवरों और पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर हमेशा आवाज उठाते रहते हैं। वह लंबे समय से लोगों को जागरूक कर रहे हैं कि लुप्त होती प्रजातियों की रक्षा कितनी जरूरी है। उनका कहना है कि बाघ हमारे जंगलों और पर्यावरण के लिए बहुत जरूरी हैं। अगर बाघ नहीं बचेंगे, तो जंगलों का संतुलन बिगड़ जाएगा। मंगलवार को रणदीप ने सोशल मीडिया पर बाघों की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं और एक दिल छू लेने वाला संदेश लिखा। उन्होंने बताया कि उन्हें भारत के अलग-अलग इलाकों में बाघों को देखने का सौभाग्य मिला। हुड्डा ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस सिर्फ बाघों के बारे में नहीं है। अगर किसी जगह पर बाघ मौजूद हैं, तो इसका मतलब है कि वहां पेड़-पौधे और जानवरों की लाखों प्रजातियां भी सही सलामत हैं। भारत बाघों को बचाने के मामले में दुनिया में सबसे आगे है। नतीजा यह है कि बाघों की संख्या भी बढ़ी है। निराशाजनक बात ये है कि जंगल और बाघों का रहने का स्थान धीरे-धीरे खत्म हो रहा है, क्योंकि जमीन का इस्तेमाल दूसरी चीजों के लिए अधिक किया जा रहा है।

अभिनेता ने सवाल किया कि अगर बाघों की संख्या बढ़ रही है, तो वे रहेंगे कहां?

उन्होंने आगे लिखा, बाघों को बचाना मतलब उनके जंगलों को बचाना और जंगलों को बचाना मतलब पूरी धरती को और खुद इंसानों को भी बचाना। इसलिए अगर हम बाघों को बचाते हैं, तो असल में हम खुद को बचा रहे हैं। आइए, खुद को बचाने के लिए बाघों और उनके घरों को सुरक्षित करें। रणदीप हुड्डा ने कहा, मेरी खुशकिस्मती है कि मैंने देश के अलग-अलग इलाकों में बाघों को देखा है। मैं खुद कह सकता हूं कि प्रकृति में बाघ जितना शानदार और शक्तिशाली नजारा कोई नहीं है। बता दें कि हर साल 29 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया जाता है। इस दिन का मकसद लोगों को बाघों की सुरक्षा के बारे में जागरूक करना है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि बाघों और उनके जंगलों को बचाना कितना जरूरी है।

फातिमा सना शेख ने आर माधवन को बताया पसंदीदा को-स्टार

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि उनकी हालिया रिलीज फिल्म आप जैसा कोई के एक्टर आर माधवन उनके पसंदीदा को-स्टार हैं। माधवन की तारीफ करते हुए फातिमा ने उन्हें सबसे अच्छा इंसान भी बताया। फातिमा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट से माधवन के साथ कुछ मजेदार और यादगार पलों की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैडी और फैटीज मेरे सबसे पसंदीदा को-स्टार!

फातिमा ने पोस्ट में माधवन को शूटिंग आसान और मजेदार बनाने के लिए धन्यवाद दिया। फातिमा ने लिखा, आपके विनम्र और उदार स्वभाव ने पूरी शूटिंग को आसान और मजेदार बना दिया। फातिमा, माधवन की मां के सांबर मसाला रेसिपी और हर सुबह दी जाने वाली परफेक्ट फिल्टर कॉफी के लिए भी आभार जताती नजर आईं। साथ ही उन्होंने सेट पर अक्सर गुलाब जामुन लाने के लिए भी माधवन को धन्यवाद कहा। आप जैसा कोई रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है और इसे करण जौहर की धर्मॉटिक एंटरटेनमेंट ने बनाया है। 11 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म में आर. माधवन संस्कृत प्रोफेसर श्रीरेणु त्रिपाठी की भूमिका में हैं, जबकि फातिमा सना शेख एक बिंदास फ्रेंच टीचर मधु बोस के किरदार में हैं। यह फिल्म श्रीरेणु और मधु की प्रेम कहानी को दिखाती है, जो सामाजिक रूढ़ियों के बीच पनपती है।



महाराजा फेम विजय सेतुपति पर शोषण का संगीन आरोप



अभिनेता विजय सेतुपति हाल ही में विवादों में आ गए हैं। रम्या मोहन नाम की एक यूजर ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रम्या का आरोप है कि विजय फिल्म इंडस्ट्री में जहरीले कल्चर को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने ड्रग्स, हेराफेरी और कास्टिंग काउच जैसे मुद्दों में शामिल होने का आरोप लगाया है।

सुपर डीलक्स, 96, विक्रम वेधा और हाल ही में आई महाराजा जैसी फिल्मों में अपने रोल्स के लिए जाने जाने वाले विजय सेतुपति को अक्सर तमिल सिनेमा में सबसे सम्मानित अभिनेताओं में से एक के तौर पर देखा जाता है। जवान में अपनी एक्टिंग के लिए मशहूर एक्टर हाल ही में सोशल मीडिया पर किए गए कुछ अटपटे दावों के कारण विवादों में घिर गए हैं।

रम्या मोहन नाम की एक यूजर ने अपने एक्स हैंडल पर विजय सेतुपति पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि विजय सेतुपति फिल्म इंडस्ट्री में एक जहरीले कल्चर को बढ़ावा देने में शामिल हैं, जिसमें ड्रग्स, हेराफेरी, कास्टिंग काउच और कमजोर लोगों के शोषण से जुड़े मुद्दे हैं।

विजय सेतुपति पर कास्टिंग काउच का आरोप

अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा, कॉलीवुड का ड्रग और कास्टिंग काउच कल्चर कोई मजाक नहीं है। एक लड़की जिसे मैं अब मीडिया में एक जाना-माना चेहरा जानती हूं, उसे एक ऐसी दुनिया में घसीटा गया जिसके लिए उसने कभी साइन अप नहीं किया था। वह अब रिहैब सेंटर में है। डॉक्टरी, हेराफेरी और लेन-देन संबंधी शोषण को इंडस्ट्री के मानदंड के रूप में छिपाया गया है। @VijaySethuOffl ने कारवां फेवर के लिए 2 लाख रुपये, ड्राइव के लिए 50 हजार रुपये की पेशकश की है और सोशल मीडिया पर संत की तरह व्यवहार करता है। उसने उस लड़की का कई साल तक इस्तेमाल किया। यह एक कहानी नहीं है। ऐसी कई कहानियां हैं और मीडिया इन पुरुषों की पूजा करता है जैसे वे संत हों।

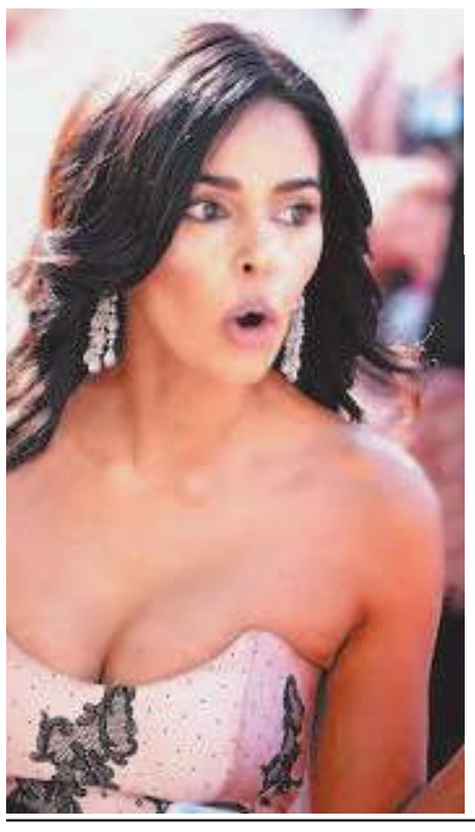
लड़की की जिंदगी और दर्द पर बोली

एक और पोस्ट में, रम्या ने जनता की सहानुभूति की कमी पर निराशा जताते हुए कहा, यह बेहद अजीब है कि कुछ असंवेदनशील मूर्ख सच्चाई को स्वीकार करने के बजाय, सोर्स पर सवाल उठाने या पीड़िता को ही दोषी ठहराने पर ज्यादा ध्यान देते हैं। जब परिवार ने उसकी डायरी और फोन चैट देखी, तो यह सच्चाई उनके लिए तूफान की तरह आई। यह सिर्फ एक कहानी नहीं थी। यह उसकी जिंदगी थी, उसका दर्द था।

सलाकार में मेरा किरदार अब तक का सबसे अलग

अभिनेत्री मौनी रॉय की आगामी जासूसी थ्रिलर फिल्म सलाकार रिलीज होने के लिए तैयार है। अभिनेत्री ने फिल्म में अपने अनुभव को साझा किया है। अभिनेत्री ने कहा, इसमें काम करके मुझे बहुत खुशी हुई। यह मेरे लिए अभी तक का सबसे अलग हटकर या खास तरह का किरदार है। इसकी कहानी ने मुझे एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ने का मौका दिया। अभिनेत्री ने टीम की तारीफ करते हुए बताया, सेट पर पूरी टीम का माहौल काफी अच्छा रहता था। हम सब मिलकर काम करते थे। अब मैं दर्शकों के लिए काफी उत्साहित हूं, फिल्म में उन्हें मेरा ऐसा किरदार देखने के लिए मिलेगा जो उन्होंने पहले कभी देखा ही नहीं होगा। बता दें, फिल्म के निर्माताओं ने सोमवार को इसका टीजर रिलीज कर दिया, फिल्म एक भारतीय जासूस की कहानी पर आधारित है। यह फिल्म ऐतिहासिक बैकग्राउंड पर आधारित है और इसमें रहस्य-रोमांच के कई मोड़ देखने को मिलेंगे। इसमें मौनी रॉय के साथ मुकेश ऋषि, कस्तूरिया और सूर्या शर्मा भी हैं।





बिग बॉस 19 का हिस्सा नहीं बनेंगी मल्लिका

टेलीविजन का पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस अपने 19वें सीजन के साथ जल्द शुरू होने वाला है। शो का नया लोगो चैनल की तरफ से जारी कर दिया गया है। इसी बीच खबरें थीं कि बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत इस साल शो का हिस्सा बनेंगी, हालांकि एक्ट्रेस ने खुद इन अफवाहों पर विराम लगा दिया है।

एक्ट्रेस ने बिग बॉस 19 में जाने की अफवाहों के बीच अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से लिखा है, सारी अफवाहों को खत्म कर रही हूं। मैं बिग बॉस में नहीं जा रही हूं और न कभी जाऊंगी। मल्लिका शेरावत से पहले सलमान खान की जय हो को-स्टार डेजी शाह ने भी सोशल मीडिया के जरिए बताया था कि वो बिग बॉस का हिस्सा नहीं बन रही हैं। बिग बॉस के खबरी पेज की मानें तो इस सीजन के लिए अनिरुद्ध आचार्या और कथावाचक जया कुमारी को भी अप्रोच किया गया था, लेकिन दोनों ने ही शो ठुकरा दिया है। फ्लाइंग बीस्ट नाम से मशहूर गौरव तनेजा ने भी बताया है कि उन्होंने शो का ऑफर रिजेक्ट किया है।

ये सेलेब्स बन सकते हैं बिग बॉस 19 का हिस्सा

इस साल इन्फ्लूएंसर फैसल शेख उर्फ मिस्टर फैसू का शो में आना लगभग कन्फर्म है। मेकर्स की उनसे लगातार बातचीत जारी है। इससे पहले फैजू खतरों के खिलाड़ी में नजर आ चुके हैं। उनके अलावा खतरों के खिलाड़ी 4 में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस नियती फतनामी को भी शो ऑफर हुआ है।

मेगा फिल्म में नजर आएगी रणवीर सिंह-श्रीलीला और बॉबी देओल की तिकड़ी

रणवीर सिंह इन दिनों आगामी फिल्म धुरंधर की तैयारियों में व्यस्त हैं। वहीं, बॉबी देओल को हरि हर वीर मल्लु में देखा जा रहा है। इस बीच खबर है कि रणवीर सिंह और बॉबी देओल को जल्द ही मेगा बजट फिल्म में साथ देखा जाएगा। इस फिल्म में श्रीलाला भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। सितारों की यह तिकड़ी पहली बार किसी प्रोजेक्ट में नजर आएगी। रणवीर सिंह, श्रीलीला और बॉबी देओल के इस प्रोजेक्ट का टाइटल जल्द रिवील किया जाएगा। इसी के साथ फिल्म का फर्स्ट लुक जारी करने की भी तैयारी है। उम्मीद जताई जा रही है कि टाइटल का एलान अगले हफ्ते तक कर दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, रणवीर सिंह, श्रीलीला और बॉबी देओल की यह फिल्म प्रशंसकों के लिए एक बड़ा तोहफा साबित होगी।



ताजमहल की खूबसूरती देख अवाक रह गई अनन्या पांडे, बोलीं- वाह ताज वाह



अभिनेत्री अनन्या पांडे ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट किया, जिसमें वो ताजमहल की खूबसूरती निहारतीं देखी जा सकती हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें पोस्ट की। जिसमें वह ताजमहल के पास पोज देती नजर आ रही हैं। तस्वीरों में अनन्या पीले और नीले रंग की प्रिंटेड ड्रेस पहने हुए बेहद खूबसूरत लग रही हैं। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, वाह ताज। वहीं एक्टर कार्तिक आर्यन ने भी एक वीडियो अपलोड किया जिसमें खूबसूरत इमारत दिख रही है। इसके साथ ही लिखा- मुमताज ढूंढ रहा हूं। तस्वीर में उन्होंने फिल्म जोधा अकबर का गाना जश्न-ए-बहारा भी जोड़ा, जिसे ए. आर. रहमान ने कंपोज किया और जावेद अली ने गाया था। इस फिल्म में ऋतिक रोशन और ऐश्वर्या राय बच्चन मुख्य भूमिका में थे। इसी के साथ ही अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर जैकी श्रॉफ की एक झलक साझा कर लिखा, बताओ मैं किसके साथ शूटिंग कर रही हूं? तस्वीर में जैकी श्रॉफ का चेहरा तो नहीं दिख रहा, लेकिन उनके गले का लॉकेट दिख रहा है, जिसमें बिडू लिखा हुआ है, जिससे साफ पता चल रहा है कि अभिनेत्री जैकी श्रॉफ के साथ शूटिंग कर रही हैं। ताजमहल का निर्माण 1632 में पांचवें मुगल बादशाह शाहजहां ने अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में कराया था। मुमताज महल की कब्र के बगल में ही शाहजहां की भी है। यह मकबरा 17 हेक्टेयर में फैले एक विशाल परिसर का मुख्य हिस्सा है, जिसमें एक मस्जिद, एक गेस्ट हाउस और चारों ओर बने खूबसूरत बाग हैं।